



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 164]

नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 24, 2013/ श्रावण 2, 1935

No. 164]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JULY 24, 2013/SRAVANA 2, 1935

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 24 जुलाई, 2013

(अंतिम जांच परिणाम)

विषय : चीन जन. गण. के मूल के अथवा मै. फोशान क्विआंगबिआओ कंपनी लिमिटेड, चीन जन. गण. के (उत्पादक) द्वारा मै. शीनवे कारपोरेशन लिमिटेड, हांगकांग (निर्यातक) के जरिए निर्यातित विट्रीफाइड/पोर्सिलेन टाइल्स के पाटित आयातों पर पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने के प्रयोजन हेतु व्यक्तिगत पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए पाटनरोधी नियमावली के नियम 22 के अंतर्गत नवीन शिपर समीक्षा ।

सं. 15/20/2011-डीजीएडी.—समय-समय पर यथा संशोधित सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात् अधिनियम कहा गया है) और यथासंशोधित सीमाशुल्क (पाटित वस्तुओं की पहचान, उस पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली (जिसे एतदपश्चात् नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए ;

पृष्ठभूमि

2. मै. फोशान क्विआंगबिआओ कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण (उत्पादक) ने मै. शीनवे कारपोरेशन लिमिटेड, हांगकांग (निर्यातक) के जरिए समय-समय पर यथा-संशोधित सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात अधिनियम कहा गया है) और समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क प्रशुल्क (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षतिनिर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात पाटनरोधी नियमावली कहा गया है) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे एतदपश्चात प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष एक आवेदनपत्र दायर किया है जिसमें उन्होंने चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित विट्रीफाइड/ पोर्सिलेन टाइल्स के पाटित आयातों पर प्राधिकारी द्वारा मूल पाटनरोधी मामले में दिनांक 4 फरवरी, 2003 की अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना सं. 37/1/2001-डीजीएडी और निर्णायक समीक्षा पाटनरोधी मामले में दिनांक 21 अप्रैल, 2008 की अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना सं. 15/17/2006-डीजीएडी और दिनांक 21 मई, 2008 को जारी उसके शुद्धिपत्र के तहत संस्तुत और केन्द्रीय सरकार द्वारा दिनांक 01 मई, 2003 की अधिसूचना सं. सीमाशुल्क और दिनांक 27 जून, 2008 की अधिसूचना सं.82/2008-सीमाशुल्क के तहत उद्ग्रहित पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने के प्रयोजन के लिए व्यक्तिगत पाटन मार्जिन का निर्धारण करने का अनुरोध किया है।

3. अधिनियम और उसके अंतर्गत बनी पाटनरोधी नियमावली में प्राधिकारी से यह अपेक्षा की जाती है कि वह प्रश्नाधीन निर्यातक देश में किसी ऐसे निर्यातक अथवा उत्पादक, के लिए व्यक्तिगत पाटन मार्जिन का निर्धारण करने, जिसने सम्बद्ध देश से सम्बद्ध वस्तु के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच के पूर्ववर्ती किसी मामले की जांच की अवधि के दौरान भारत को सम्बद्ध वस्तु का निर्यात नहीं किया है, और यह निर्धारण करने के प्रयोजन के लिए नवीन शिपर समीक्षा करेंगे कि आवेदक निर्यातक देश में किसी ऐसे निर्यातक और उत्पादक से संबंधित नहीं है/हैं जिनपर पाटनरोधी शुल्क अधिरोपित किया गया है। आवेदनकर्ताओं ने दावा किया है कि वे चीन जन.गण. में सम्बद्ध वस्तु के उत्पाद के संबंध में प्रभावी पाटनरोधी शुल्क के अध्यधीन किसी निर्यातक/उत्पादक से संबंधित नहीं हैं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने दावा किया कि उन्होंने मूल जांच और निर्णायक समीक्षा जांच में जांच की अवधि के दौरान संबंधित उत्पाद का निर्यात नहीं किया था। प्राधिकारी ने आवेदकों द्वारा प्रस्तुत सूचना की प्रथम दृष्टया जांच की और जांच

की शुरुआत के स्तर पर पाटनरोधी नियमावली के नियम 22 के प्रावधानों के अनुसार नवीन शिपर समीक्षा जांच प्रारंभ करने को न्यायोचित ठहराने के लिए इसे पर्याप्त पाया। तदनुसार, प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 22 के अंतर्गत 19 अप्रैल, 2012 की अधिसूचना सं.15/20/2011-डीजीएडी के तहत नवीन शिपर समीक्षा प्रारंभ की।

4. उपर्युक्त नवीन शिपर समीक्षा जांच चीन जन.गण के मूल के अथवा वहां से निर्यातित, सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम, 1975 के अध्याय 69 के अंतर्गत आने वाले विट्रीफाइड/पोर्सिलेन टाइलों के आयात से संबंधित उस मामले पर प्रारंभ की गई जिसमें प्राधिकारी ने मूल पाटनरोधी मामले में अपनी दिनांक 04 फरवरी, 2003 की अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना सं. 37/1/2001-डीजीएडी और निर्णायक समीक्षा पाटनरोधी मामले में दिनांक 21 अप्रैल, 2008 की अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना सं. 15/17/2006-डीजीएडी में तथा दिनांक 21 मई, 2008 को जारी उसके शुद्धिपत्र में यह निष्कर्ष निकाला कि:

- क. विट्रीफाइड/पोर्सिलेन टाइल्स का यूएई और चीन जन.गण से भारत को उसके सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर निर्यात किया गया जिसके परिणामस्वरूप पाटन हुआ;
- ख. भारतीय उद्योग को वास्तविक क्षति हुई; और
- ग. यह क्षति संबद्ध देशों से आयातों द्वारा संचयी रूप से कारित की गई है।

5. केन्द्रीय सरकार ने, सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम के अध्याय 69 के अंतर्गत आने वाले विट्रीफाइड औद्योगिक टाइल्स को छोड़कर, चीन जन.गण. और यू.ए.ई. से विट्रीफाइड तथा पोर्सिलेन टाइल्स के आयातों से संबंधित मूल जांच में, अंतिम पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने की तारीख अर्थात् 2.5.2002 से पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण दिनांक 01.03.2002 की अधिसूचना सं.73/2003-सीमाशुल्क के तहत किया था।

6. प्राधिकारी ने निर्णायक समीक्षा जांच आयोजित करके दिनांक 21 अप्रैल, 2008 की अधिसूचना सं.15/17/2006-डीजीएडी और दिनांक 21 मई, 2008 को जारी उसके शुद्धिपत्र के तहत चीन जन.गण. के मूल के आयातों पर एतद्वारा पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने की सिफारिश की थी। इन सिफारिशों के आधार पर केन्द्रीय सरकार ने दिनांक 27 जून, 2008 की अधिसूचना सं.82/2008-सीमाशुल्क के तहत पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण किया था।

7. वर्तमान समीक्षा में, प्राधिकारी ने मै. फोशान क्विआंगबिआओ कम्पनी लिमिटेड, चीन जन.गण (उत्पादक) द्वारा मै. शीनवे कारपोरेशन लिमिटेड, हांगकांग (निर्यातक) के जरिए इस समीक्षा के पूरा होने तक संबद्ध वस्तु के किए गए सभी निर्यातों का पाटनरोधी नियमावली के नियम 22 के अनुसार और दिनांक 01.05.2003 की अधिसूचना सं.73/2003-सीमाशुल्क तथा दिनांक 27 जून, 2008 की अधिसूचना सं. 82/2008-सीमाशुल्क को ध्यान में रखते हुए अंतिम आकलन करने की सिफारिश की थी।

8. प्राधिकारी की सिफारिशों को क्रियान्वित करने के लिए वित्त मंत्रालय ने दिनांक 10 जुलाई, 2012 को अधिसूचना सं. 35/2012-सीमाशुल्क (एडीडी) जारी की जिसमें, अन्य बातों के साथ-साथ, यह प्रावधान किया गया कि प्राधिकारी द्वारा की गई समीक्षा के परिणाम लम्बित रहने तक, सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम के अध्याय 69 के अंतर्गत आने वाले विट्रीफाइड औद्योगिक टाइल्स को छोड़कर, मै. फोशान क्विआंगबिआओ कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण (उत्पादक) द्वारा मै. शीनवे कारपोरेशन लिमिटेड हांगकांग (निर्यातक) के जरिए विट्रीफाइड/पोर्सिलेन टाइल्स के सभी आयात, यह समीक्षा पूरी हो जाने तक अंतिम आकलन के अध्यधीन होंगे।

विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

9. मूल जांच और निर्णायक समीक्षा में विचाराधीन उत्पाद "3% से कम की जल अवशोषण क्षमता युक्त पालिश और अनपालिश फिनिश में अनग्लेज्ड टाइल्स और ग्लेज्ड पोर्सिलेन/सिरेमिक टाइल्स दोनों (जिन्हें आम भाषा में विट्रीफाइड टाइल्स/ पोर्सिलेन टाइल्स के रूप में

जाना जाता है)" (जिन्हें सम्बद्ध वस्तु भी कहा गया है) थे। गलेज्ड और अनगलेज्ड टाइल्स का प्रयोग प्राथमिकतः फर्श और दीवारों को कवर करने के लिए किया जाता है। इन टाइल्स का प्रयोग भवनों, घरों, रेस्तराओं, सिनेमा हॉल्स, हवाई अड्डों, तरणतालों, रेलवे स्टेशनों आदि में किया जाता है। सभी तरह की संबद्ध वस्तु को अध्याय शीर्षक 69 के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है। तथापि, यह वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और किसी भी रूप में वर्तमान जांच के दायरे के अंतर्गत बाध्यकारी नहीं है।

10. इस जांच में विचाराधीन उत्पाद मूल जांच और निर्णायक समीक्षा जांच में यथानिर्धारित विट्रीफाइड/पोर्सिलेन टाइल्स अर्थात् "विट्रीफाइड/पोर्सिलेन टाइल्स" है। विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के संबंध में किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने कोई प्रस्तुतिकरण नहीं किया है। यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित विट्रीफाइड/पोर्सिलेन टाइल्स और मै. फोशान क्विआंगबिआओ कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण. (उत्पादक) द्वारा मैसर्स शीनवे कारपोरेशन लिमिटेड, हांगकांग (निर्यातक) के जरिए निर्यात किए जा रहे विट्रीफाइड/पोर्सिलेन टाइल्स पाटनरोधी नियमावली के आशय के अंतर्गत 'समान वस्तु' हैं। अतः, प्राधिकारी, उपर्युक्त के मद्देनजर यह फैसला करते हैं कि वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद मूल जांच और निर्णायक समीक्षा जांच में यथा विचारित और सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम, 1975 के अध्याय 69 के अंतर्गत वर्गीकृत "विट्रीफाइड/पोर्सिलेन" है।

इस जांच में अपनाई गयी प्रक्रिया

11. इस जांच में निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है-

- i. इस शिपर समीक्षा जांच में जांच की अवधि 01 जनवरी, 2012 से 30 जून, 2012 (पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए 6 माह) है।
- ii. प्राधिकारी ने नवीन शिपर समीक्षा जांच की शुरुआत के बारे में निर्यातकर्ता देश के राजदूतावास को सूचित किया और सभी संबंधित हितबद्ध पक्षकारों को जांच की अवधि अर्थात् 01 जनवरी, 2012 से 30 जून, 2012 तक की अवधि समाप्त

3269 46/13-2

- होने से 40 दिनों के अंदर अपने विचारों से लिखित रूप में अवगत कराने का अवसर प्रदान किया।
- iii. प्राधिकारी ने निर्यातक प्रश्नावली की एक प्रति में, फोशान क्विआंगबिआओ कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण. (उत्पादक) को भेजी जिसने भारत को सम्बद्ध वस्तु का निर्यात मैसर्स शीनवे कारपोरेशन लिमिटेड हांगकांग (निर्यातक) के जरिए किया था। प्राधिकारी ने मैसर्स फोशान क्विआंगबिआओ कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण. (उत्पादक) को संगत जानकारी प्रदान कराने के लिए बाजार अर्थव्यवस्था दर्जा प्रश्नावली भी भेजी।
 - iv. मैसर्स फोशान क्विआंगबिआओ कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण. (उत्पादक) तथा मैसर्स शीनवे कारपोरेशन लिमिटेड, हांगकांग (निर्यातक) ने निर्यातक प्रश्नावली का प्रत्युत्तर प्रस्तुत किया। तथापि, मैसर्स फोशान क्विआंगबिआओ कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण. (उत्पादक) ने बाजार अर्थव्यवस्था दर्जा प्रश्नावली प्रत्युत्तर प्रस्तुत नहीं किया।
 - v. सम्बद्ध वस्तु के एक आयातक मैसर्स जे.एस.डब्ल्यू इंडस्ट्रीज, मुम्बई ने भी आयातक प्रश्नावली का प्रत्युत्तर प्रस्तुत किया।
 - vi. इस जांच शुरुआत अधिसूचना की एक प्रति आवश्यक जानकारी प्राप्त करने के लिए भारत में सम्बद्ध वस्तु के घरेलू उत्पादकों को भी भेजी गई।
 - vii. भारत में संबद्ध वस्तु के किसी भी घरेलू उत्पादक ने इस जांच शुरुआत अधिसूचना का प्रत्युत्तर नहीं दिया।
 - viii. प्राधिकारी ने आवेदनकर्ताओं तथा सम्बद्ध वस्तु के घरेलू उत्पादकों को भी दिनांक 31 अक्टूबर, 2012 को आयोजित एक मौखिक सुनवाई में अपने विचार मौखिक रूप से व्यक्त करने का अवसर प्रदान किया। उक्त मौखिक सुनवाई में आवेदकों के प्रतिनिधियों के अलावा अन्य किसी भी हितबद्ध पक्षकार के प्रतिनिधि ने भाग नहीं लिया।
 - ix. प्राधिकारी ने मैसर्स फोशान क्विआंगबिआओ कंपनी लिमिटेड चीन जन.गण. (उत्पादक) तथा मैसर्स शीनवे कारपोरेशन लिमिटेड, हांगकांग (निर्यातक) द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों का स्थल पर जाकर सत्यापन किया।

- x. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत सूचना/प्रस्तुतिकरण की अगोपनीय पाठ युक्त फाइल को नियमावली के नियम 6(7) के अनुसार सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराया।
- xi. *** प्रकटन विवरण में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना का प्रतिनिधित्व है और उस पर प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत उसी रूप में विचार किया है।

आवेदकों/ अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण और प्राधिकारी द्वारा उनकी जांच

आवेदकों द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण

12. आवेदक कंपनियों अर्थात् मैसर्स फोशान क्विआंगबिआओ कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण (उत्पादक) और मैसर्स शीनवे कारपोरेशन लिमिटेड, हांगकांग (निर्यातक) द्वारा निम्नलिखित प्रस्तुतिकरण किए गए:

- i) दोनों आवेदक कंपनियां नियमों के अंतर्गत नवीन शिपर समीक्षा के लिए विधिक जरूरतों को पूरा करती हैं। उत्पादक फोशान क्विआंगबिआओ कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण. का प्राथमिक व्यवसाय विट्रीफाइड टाइल्स का उत्पादन और बिक्री करना है। यह कंपनी उत्पाद की घरेलू बिक्री सीधे और अपनी सहबद्ध कंपनियों के जरिए करती है तथा एक अन्य सहबद्ध कंपनी के जरिए उत्पाद की निर्यात बिक्री भी करती है। यह कंपनी प्रमाणित करती है कि न तो मैसर्स फोशान क्विआंगबिआओ कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण (उत्पादक) और न ही इसकी किसी अन्य संबद्ध कंपनी ने मूल जांच की जांच अवधि अथवा निर्णायक समीक्षा जांच की जांच अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तु का प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः निर्यात किया है।
- ii) चूंकि किसी भी अन्य हितबद्ध पक्षकार ने मौखिक सुनवाई में भाग नहीं लिया और निर्धारित समयावधि के अंतर्गत कोई आपत्ति नहीं की, इसलिए नवीन शिपर समीक्षा का मामला शीघ्र ही पूरा हो जाना चाहिए।

- iii) संस्थापित क्षमता और किए गए उत्पादन का विवरण प्राधिकारी को दिए गए उत्तरों के परिशिष्ट 4 में प्रस्तुत किया गया है। इसके अतिरिक्त, त्रुटिसुधार अधिसूचना (निर्यातक आवेदक के नाम का सुधार करते हुए) के अनुसार जांच की अवधि के दौरान भारत को निर्यात बहुत अल्प मात्रा में केवल दिनांक 29 जून, 2012 को किया गया था जो निर्यात की बहुत अल्प अवधि है।
- iv) मै. शीनवे कारपोरेशन लिमिटेड, हांगकांग (निर्यातक) कई अन्य प्रकार की वस्तुओं (इलेक्ट्रॉनिक का सामान तथा सौर पैनल सहित) का निर्यात करते हैं और टाइल्स का व्यवसाय मैसर्स शीनवे कारपोरेशन लिमिटेड, हांगकांग के कुल व्यवसाय का एक छोटा सा हिस्सा है।

अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण

13. किसी भी अन्य हितबद्ध पक्षकार ने इस जांच शुरुआत अधिसूचना का प्रत्युत्तर नहीं दिया। जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, प्राधिकारी ने आवेदनकर्ताओं तथा सम्बद्ध वस्तु के उन घरेलू उत्पादकों, जो निर्णायक समीक्षा जांच में आवेदनकर्ता थे, को दिनांक 31 अक्टूबर, 2012 को आयोजित मौखिक सुनवाई में अपने विचार मौखिक रूप से प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया जिससे कि वे अपने हितों की रक्षा करने के लिए प्रस्तुतिकरण कर सकें तथा नवीन शिपर समीक्षा जांच के बारे में किसी निर्णय पर पहुंचने के लिए प्राधिकारी को आसानी हो सके। न तो किसी अन्य हितबद्ध पक्षकार ने इस मौखिक सुनवाई में भाग लिया और न ही जांच के दौरान किसी ने कोई प्रस्तुतिकरण किया। चूंकि किसी अन्य हितबद्ध पक्षकार द्वारा किसी प्रकार का कोई प्रत्युत्तर प्रत्युत्तर प्राप्त नहीं हुआ इसलिए प्राधिकारी ने रिकार्ड में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपनी सिफारिशें की हैं।

प्राधिकारी द्वारा जांच

14. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 22 के प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए नवीन शिपर समीक्षा की शुरुआत की, इसे निम्नवत पढ़ा जाता है-

"यदि कोई उत्पाद पाटनरोधी शुल्क के अध्यधीन है, तो निर्दिष्ट प्राधिकारी प्रश्नाधीन निर्यातकर्ता देश में ऐसे किसी निर्यातक अथवा उत्पादक के लिए व्यक्तिगत पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के प्रयोजन से आवधिक समीक्षा करेंगे जिसने जांच की अवधि के दौरान उस उत्पाद का भारत को निर्यात नहीं किया है, वशर्ते कि यह निर्यातक अथवा उत्पादक यह प्रदर्शित करता हो कि निर्यातक देश में उसका ऐसे किसी निर्यातकर्ता या उत्पादक से कोई संबंध नहीं है जो इस उत्पाद के संबंध में पाटनरोधी शुल्क के अध्यधीन है।

(2) केन्द्रीय सरकार समीक्षा की अवधि के दौरान किसी ऐसे निर्यातक या उत्पादक से किए गए आयातों पर अधिनियम की धारा 9क की उपधारा (1) के अंतर्गत पाटनरोधी शुल्क का उद्ग्रहण नहीं करेगी जैसा कि इस नियम के उपनियम (1) में उल्लिखित है:

शर्त यह है कि केन्द्रीय सरकार अनन्तिम आकलन का आश्रय ले सकती है और यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी यह सिफारिश करते हैं कि आयातक से गारंटी मांगी जाए और यदि इस समीक्षा के परिणामस्वरूप इस उत्पाद अथवा निर्यातक के संबंध में पाटन का निर्धारण होता है तो वह इन मामलों में जांच शुरुआत की समीक्षा की तारीख से पूर्वव्यापी प्रभाव से शुल्क उद्ग्रहण कर सकते हैं।

15. नियम 22 उन परिस्थितियों को विनिर्धारित करता है जिनके अंतर्गत व्यक्तिगत पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के प्रयोजन से नवीन शिपर समीक्षा जांच की जानी है। प्रश्नाधीन निर्यातकर्ता देश से किसी निर्यातक या उत्पादक के बारे में व्यक्तिगत पाटन मार्जिन का निर्धारण किया जा सकता है बशर्ते कि निम्नलिखित दो शर्तें संतुष्ट होती हों-

3269 40/13-3

- (क) यह कि निर्यातक अथवा उत्पादक ने जांच की अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद का निर्यात नहीं किया है, और
- (ख) यह कि निर्यातक अथवा उत्पादक यह प्रदर्शित करता है कि उनका निर्यातकर्ता देश में किसी ऐसे निर्यातक या उत्पादक से संबंध नहीं है जो संबंधित उत्पाद के बारे में पाटनरोधी शुल्क के अध्यक्षीन हो।

16. उपर्युक्त से यह स्पष्ट है कि नियम 22 के अंतर्गत आशय किसी ऐसे निर्यातक या उत्पादक के बारे में व्यक्तिगत पाटनमार्जिन का निर्धारण करने का होता है जिसने मूल जांच की अवधि के दौरान सम्बद्ध वस्तु का निर्यात न किया हो। चूंकि ऐसे उत्पादक/निर्यातक ने मूल जांच की अवधि के दौरान सम्बद्ध वस्तु का निर्यात नहीं किया, इसलिए प्राधिकारी मूल (निर्णायक समीक्षा जांच सहित) जांच के समय उनके निर्यात के बारे में पाटन मार्जिन का निर्धारण नहीं कर सके थे। अतः नवीन शिपर समीक्षा के प्रावधान का उद्देश्य ऐसे उत्पादक/निर्यातक को व्यक्तिगत पाटन मार्जिन का दावा करने का अवसर यह विचार करते हुए प्रदान करना है कि इन निर्यातकों को मूल (निर्णायक समीक्षा जांच सहित) जांच के दौरान अवशिष्ट पाटन मार्जिन प्रदान किया गया था।

17. वर्तमान मामले में निम्नलिखित आवेदनकर्ताओं ने व्यक्तिगत पाटनमार्जिन की मांग करते हुए प्राधिकारी के समक्ष एक आवेदनपत्र दायर किया है और नवीन शिपर समीक्षा प्रारंभ करने का अनुरोध किया है:-

- (क) मैसर्स फोशान क्विआंगबिआओ कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण. (उत्पादक) और
- (ख) मैसर्स शीनवे कारपोरेशन लिमिटेड, हांगकांग (निर्यातक)

18. आवेदनकर्ताओं की पात्रता के सम्बंध में दावों के लिए नवीन शिपर में यह जानने के लिए जांच की गई कि क्या इन कंपनियों ने मूल जांच अथवा निर्णायक समीक्षा जांच की जांच अवधि में भारत को इस उत्पाद का प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः निर्यात किया है। आवेदनकर्ताओं से अपना दावा सिद्ध करने के लिए यह पूछा गया कि क्या इन कंपनियों ने अथवा उनसे संबंधित किसी अन्य कंपनी (कंपनियों) ने मूल जांच अथवा निर्णायक समीक्षा की जांच अवधि के दौरान संबंधित वस्तु का भारत को निर्यात किया है। इन कंपनियों ने इस तथ्य के प्रमाण प्रदान किए कि न तो उन्होंने और न ही निर्यातक देश में उनसे संबंधित किसी अन्य उत्पादक अथवा निर्यातक ने मूल जांच अथवा निर्णायक समीक्षा जांच की जांच अवधि के दौरान सम्बद्ध वस्तु का भारत को निर्यात किया है। उन्होंने यह भी प्रमाणित किया कि निर्यातकर्ता देश में उनसे संबंधित कोई उत्पादक अथवा निर्यातक पाटनरोधी शुल्क के अध्यक्षीन भी नहीं था। प्राधिकारी को उनके नवीन शिपर होने के दावे के संबंध में कोई विपरीत सामग्री भी प्राप्त नहीं हुई है।

19. प्राधिकारी ने नोट किया कि आवेदक उत्पादक कंपनी मैसर्स फोशान क्विआंगबिआओ कम्पनी लिमिटेड, चीन जन.गण. की स्थापना 04.01.2007 को की गई थी। प्राधिकारी ने नोट किया कि उत्पादक कंपनी मैसर्स फोशान क्विआंगबिआओ कम्पनी लिमिटेड, चीन जन.गण. का प्राथमिक व्यवसाय विट्रीफाइड टाइल्स का उत्पादन और उनकी बिक्री करना है। इस कंपनी की दो इकाइयां हैं, एक इन टाइल्स की पालिसिंग करती है और दूसरी बिस्कुट्स का उत्पादन करती है। पालिसिंग यूनिट की स्थापना वर्ष 2007 में की गई थी और बिस्किट निर्माण यूनिट की स्थापना वर्ष 2010 में की गई थी। इन टाइलों का निर्माण करने के लिए आधारभूत कच्चा माल रेत, कीचड़ और मिट्टी है। इसके अतिरिक्त, बिस्किट निर्माण स्तर पर इस सामग्री में कुछ अन्य रसायन भी जोड़े जाते हैं। इन बिस्कुटों का विनिर्माण हेइन्न गुआंगडांग स्थित कंपनी की इकाई में किया जाता है, और फिर इन्हें फोशान गुआंगडांग स्थित पालिसिंग इकाई को अंतरित कर दिया जाता है। कंपनी द्वारा परिष्कृत उत्पाद की बिक्री घरेलू बाजार तथा निर्यात बाजार में विभिन्न सरणियों द्वारा की जाती है। इस कंपनी के केवल दो प्रवर्तक हैं जो प्राइवेट व्यक्ति हैं। इन दोनों की इस कंपनी में ***:*** के अनुपात में शेयरधारिता है। इसके अतिरिक्त प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि आवेदक निर्यातक कंपनी मैसर्स शीनवे कारपोरेशन, हांगकांग का निगमन 15.5.2008 को किया गया था। इस कंपनी के दो प्रवर्तक हैं जो इस कंपनी में ***:*** के अनुपात में इक्विटी पूंजी धारित करते हैं।

सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत का निर्धारण करने और पाटनमार्जिन का परिकलन करने के लिए अपनाई गयी क्रियापद्धति

प्राधिकारी द्वारा जांच

20. अधिनियम के अंतर्गत सामान्य मूल्य को निम्नवत परिभाषित किया गया है;

9क (1) (ग) किसी वस्तु के संबंध में "सामान्य मूल्य" का आशय-

- (i) उपनियम (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश अथवा भू-भाग में खपत के उद्देश्य से व्यापार के सामान्य अनुक्रम में समान वस्तु के लिए तुलनीय कीमत है; अथवा
- (ii) निर्यातक देश या भूभाग की घरेलू बाजार में व्यापार के सामान्य अनुक्रम में जब उस सामान समान वस्तु की बिक्री न होती हो अथवा निर्यातक देश या भू-भाग की घरेलू बाजार में विशिष्ट बाजार परिस्थितियों अथवा बिक्री की न्यून मात्रा के कारण, ऐसी बिक्रियां समुचित तुलना करने की अनुमति न देती हों तो उस वस्तु का सामान्य मूल्य या तो-
 - (क) उप-धारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथा-निर्धारित उस समान वस्तु की वह तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत होगी जिस पर उसका निर्यात किसी निर्यातकर्ता देश या (भू-भाग से) किसी उपयुक्त तृतीय देश को किया जाता है; अथवा
 - (ख) उप-धारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री या सामान्य लागत तथा लाभ के लिए किए गए अन्य संवर्धनों सहित उद्गम के देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत होती है;

बशर्ते कि उद्गम के देश के अलावा किसी अन्य देश से उक्त समान वस्तु का आयात होने और जहां उक्त वस्तु का निर्यात के देश के जरिए केवल यानान्तरण किया गया हो अथवा उक्त वस्तु का निर्यात के देश में उत्पादन न किया जाता हो अथवा निर्यात के देश में उक्त वस्तु की कोई तुलनीय कीमत न हो तो सामान्य मूल्य निर्धारण उद्गम के देश में इसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

21. प्राधिकारी सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के प्रयोजन के लिए पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8(2) के अनुरूप इस पूर्वावधारणा से आगे बढ़े कि कोई भी देश जिसका निर्णय प्राधिकारी द्वारा अथवा जांच से पहले के तीन वर्षों की अवधि के दौरान किसी डब्ल्यू टी ओ सदस्य देश के किसी सक्षम प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी जांच के प्रयोजन के लिए गैर-बाजार

अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में किया गया है अथवा उसे गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में माना गया है तो उसे गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना जाएगा। विगत तीन वर्षों में ई यू, यू एस ए और भारत जैसे डब्ल्यू टी ओ सदस्यों ने पाटनरोधी जांच में चीन जन.गण को गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में माना है। तथापि, पाटनरोधी नियमावली के संगत नियमों के अनुसार यह खंडनीय पूर्वाधारणा है।

22. पाटनरोधी नियमावली में यह प्रावधान है कि चीन जन.गण जैसे गैर-बाजार अर्थव्यवस्था (एन एम ई) वाले देश में उद्भूत आयातों के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 और 8 के अनुरूप किया जाएगा। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में प्रावधान है कि:

"गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश से आयात के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तृतीय देश में कीमत या विनिर्मित मूल्य या ऐसे तृतीय देश से भारत सहित किसी अन्य देश की कीमतों या जहां यह संभव न हो वहां किसी अन्य तर्क संगत आधार पर, समान उत्पाद के लिए भारत में वास्तविक रूप से भुगतान योग्य या संदत्त कीमत, जिसमें तर्कसंगत लाभ मार्जिन को शामिल करने के यथावश्यक विधिवत समायोजन किया गया हो, को शामिल करते हुए, किया जाएगा।"

23. पाटनरोधी नियमावली (यथासंशोधित) के अनुबंध-1 के पैरा-8 में प्रावधान किया गया है कि:

"8(1) वाक्यांश "गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश" से आशय किसी ऐसे देश से है जिसके लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी यह निर्धारित करते हैं कि वह कीमत या कीमत निर्धारण ढांचे के बाजार सिद्धांतों के अनुरूप प्रचालन नहीं करता है जिससे कि उक्त देश में किसी वस्तु की बिक्री उस वस्तु की, उप-पैराग्राफ (3) में यथा-विनिर्धारित मानदंडों के अनुसार उचित मूल्य को प्रदर्शित नहीं करती है।

3269 4/13-4

(2) यह पूर्वावधारण हो सकती है कि कोई देश जिसका निर्धारण निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा या इस जांच की अवधि से पहले की तीन वर्षों की अवधि के दौरान डब्ल्यू टी ओ के किसी सदस्य देश के किसी सक्षम प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी जांच के प्रयोजन के लिए गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है अथवा गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में माना गया है, उसे गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में माना जाता है।

तथापि, यह शर्त है कि, गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश या उस देश की संबंधित फर्म इस प्रकल्पना का खंड निर्दिष्ट प्राधिकारी को ऐसी सूचना का साक्ष्य प्रदान करके कर सकता है जिससे यह सिद्ध होता हो कि वह देश उप पैराग्राफ (3) में यथानिर्धारित मानदंडों के आधार पर गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश नहीं है।"

(3) निर्दिष्ट प्राधिकारी प्रत्येक मामले में निम्नलिखित मानदंड पर विचार करेंगे कि क्या:

- (क) ऐसे देश में संबंधित फर्मों का कीमत, लागत और कच्चे माल सहित इनपुट, प्रौद्योगिकी और श्रम की लागत, आउटपुट, बिक्री और निवेश के संबंध में किए गए निर्णय मांग और आपूर्ति को प्रदर्शित करने वाले बाजार संकेतकों के आधार पर और इस संबंध में राज्य के किसी हस्तक्षेप के बिना किए जाते हैं और यह कि क्या प्रमुख इनपुटों की लागत बाजार मूल्यों को पर्याप्त रूप से प्रदर्शित करती है।
- (ख) इन फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति, पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली, खासकर परिसंपत्तियों के मूल्यहास, बड़े खाते में डाले गए, विनिमय प्रणाली तथा ऋणों की क्षतिपूर्ति के जरिए भुगतान से की गई महत्वपूर्ण विकृतियों के अध्यधीन होती है;
- (ग) यह फर्म दिवालियापन और सम्पदा विधियों के अध्यधीन होती हैं जो फर्मों का प्रचालन करने के लिए विधिक निश्चितता और स्थायित्व की गारंटी प्रदान करती है; और

(घ) विनिमय दर परिवर्तन बाजार दरों पर किए जाते हैं। तथापि, शर्त यह है कि जहां इस पैराग्राफ में विनिर्धारित मानदंडों के आधार पर पर्याप्त साक्ष्यों द्वारा यह प्रदर्शित होता हो कि यह बाजार परिस्थितियां पाटनरोधी जांच के अध्यक्षीन ऐसी एक या एक से अधिक फर्मों के लिए व्याप्त हैं तो निर्दिष्ट प्राधिकारी पैराग्राफ 7 और इस पैराग्राफ में निर्धारित सिद्धांतों के बजाय पैराग्राफ-1 से 6 तक में निर्धारित सिद्धांतों का अनुप्रयोग करेंगे।"

(4) उप-पैराग्राफ (2) में उल्लिखित किसी वस्तु के होते हुए भी निर्दिष्ट प्राधिकारी ऐसे देश को बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में मान सकते हैं, जिसे संगत मानदंडों के अधुनातन विस्तृत मूल्यांकन, जिसमें उप पैराग्राफ (3) में निर्धारित मानदंड शामिल हो, के आधार पर, इस मूल्यांकन का सार्वजनिक दस्तावेज में प्रकाशन करके, विश्व व्यापार संगठन के किसी सदस्य देश द्वारा पाटनरोधी जांच के प्रयोजन के लिए उसे बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया हो अथवा बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में माना गया हो।"

24. प्राधिकारी ने मैसर्स फोशान क्विआंगबिआओ कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण. (उत्पादक) और मैसर्स शीनवे कारपोरेशन लिमिटेड, हांगकांग (निर्यातक) के भारत आधारित विधिक प्रतिनिधियों को दिनांक 20.4.2011 के पत्र सं.15/20/2010-डीजीएडी के तहत निर्यातक प्रश्नावली तथा बाजार अर्थव्यवस्था दर्जा (एमईटी) प्रश्नावली भेजी। यद्यपि दोनों ही आवेदनकर्ता कंपनियों ने निर्धारित प्रपत्र में अपेक्षित सूचना प्रस्तुत कर दी परंतु उत्पादक कंपनी मैसर्स क्विआंगबिआओ कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण. द्वारा दिनांक 20.4.2011 के पत्र संख्या 15/20/2010-डीजीएडी के प्रत्युत्तर में निर्धारित प्रपत्र में बाजार अर्थव्यवस्था प्रश्नावली में प्रत्युत्तर प्रस्तुत नहीं किया।

25. प्राधिकारी ने सत्यापन दौर के दौरान कम्पनी का ध्यान दिनांक 19.04.2012 की जांच शुरुआत अधिसूचना और कंपनी को संबोधित दिनांक 20.04.2011 के पत्र सं. 15/20/2010-डीजीएडी की ओर आकृष्ट किया जिसमें बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा (एम ई टी) का दावा करने के लिए प्रश्नावली सहित निर्धारित प्रपत्र में विभिन्न सूचनाएं मांगी गई थीं। कंपनी के प्रतिनिधियों से विशेष रूप से यह स्पष्ट करने के लिए पूछा गया कि क्या उन्होंने जांच की शुरुआत होने के पश्चात और खास कर प्राधिकारी के दिनांक 20.04.2011 के पत्र के संबंध में एम ई टी के लिए कोई दावा प्रस्तुत किया है। उसके प्रत्युत्तर में सत्यापन के दौरान कंपनी ने

यह स्वीकार किया कि उन्होंने बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे का दावा करने के लिए निर्धारित प्रपत्र में कोई दावा प्रस्तुत नहीं किया है। तथापि, कंपनी के विधिक प्रतिनिधि ने यह स्पष्ट किया कि जांच की शुरुआत से पहले प्राधिकारी ने इस मामले में कुछ विशिष्ट पृच्छा की थी और उनका उपयुक्त उत्तर दिया गया था। उसने पुनः दावा किया कि प्राधिकारी द्वारा उठाए गए मुद्दों के प्रत्युत्तर में कंपनी ने जांच की शुरुआत से पहले कुछ लिखित प्रस्तुतिकरण भी किए थे। इस स्तर पर, प्राधिकारी ने कंपनी से, जांच की शुरुआत से प्राधिकारी को प्रस्तुत पत्राचार, यदि कोई हो, की प्रतियां प्रस्तुत करने का अनुरोध किया। तथापि, सत्यापन के समय कंपनी के विधिक प्रतिनिधि द्वारा इस संबंध में कोई दस्तावेज/पत्राचार प्रस्तुत नहीं किया जा सका।

26. जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है कंपनी ने प्राधिकारी द्वारा अपने दिनांक 20.4.2011 के पत्र सं. 15/20/2010-डीजीएडी के तहत मागे गए जांच शुरुआत पश्चात बाजार अर्थव्यवस्था दर्जे (एम ई टी) के लिए कोई दावा नहीं किया है। दौरे के दौरान कंपनी मैसर्स फोशान क्विआंगबिआओ कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण से निर्यातक प्रश्नावली के अनुरूप किए गए अपने विभिन्न दावों के समर्थन में दस्तावेजों की मूल प्रतियां प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया। प्राधिकारी ने भूमि और भवन में किए गए निवेश, संयंत्र और मशीनरी में किए गए निवेश, कंपनी द्वारा संयंत्र और मशीनरी तथा अन्य परिसम्पत्तियों में किए गए निवेश के स्रोत सहित व्यवसाय गतिविधियों के वित्त पोषण के स्रोत, शेयर धारकों की निधि, ऋण और अग्रिम, घरेलू बिक्रियां, निर्यात बिक्रियां, निर्यातों के बारे में मूल्यवर्धित कर लागत एवं वित्त अभिलेखों, उत्पादन रिकार्ड आदि के ब्यौरों के संबंध में आंकड़ों एवं दस्तावेजों की जांच की। उत्पादक कंपनी मैसर्स फोशान क्विआंगबिआओ कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों/सूचना के सत्यापन के आधार पर प्राधिकारी ने विस्तृत सत्यापन रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसमें आवेदक कंपनियों से टिप्पणियां मांगी गई थी। सत्यापन रिपोर्ट ने, अन्य बातों के साथ-साथ, यह इंगित किया कि जांच की अवधि के लिए प्रस्तुत किए गए आंकड़ों में सम्बद्ध वस्तु के उत्पादन की ग्रेडवार मात्रा, ब्याज लागत के बारे में समायोजन, कच्चे माल के अथभंडार एवं इति भंडार के बारे में समायोजन में भारी त्रुटियां हैं और उत्पादक कंपनी मैसर्स फोशान क्विआंगबिआओ कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण द्वारा किया गए विभिन्न दावों के समर्थन में कुछ संगत दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं। उत्पादक कंपनी ने अपने निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर, खासकर अनुबंध-V, अनुबंध-VI, अनुबंध-VII, अनुबंध-VIII में और जांच की अवधि के लिए उत्पादक कंपनी के तुलनपत्र और लाभ एवं हानि खातों, में प्राधिकारी के सत्यापन दल द्वारा उठाई गई विसंगतियों को स्वीकार किया है। सत्यापन दल द्वारा यथाइंगित विसंगतियों के सत्यापन के दौरान कंपनी ने यह स्वीकार किया कि प्राधिकारी को निर्यातक प्रश्नावली के प्रत्युत्तर में समुचित परिवर्तन/संशोधन करना अपेक्षित होगा। इस संबंध में उत्पादक कंपनी द्वारा सत्यापन की समाप्ति तक संगत दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सके। यद्यपि कंपनी ने इनमें से कुछ दस्तावेज सत्यापन के उपरांत 18 फरवरी, 2013 को प्रस्तुत किए थे; परंतु कंपनी से अन्य दस्तावेजों/रिकार्ड, सत्यापन रिपोर्ट की टिप्पणियों के प्रत्युत्तर में दिनांक 29.04.2013 को प्राप्त हुए थे।

27. अपनी सत्यापन रिपोर्ट के प्रत्युत्तर में प्राधिकारी द्वारा प्राप्त दिनांक 29.04.2013 के पत्र के तहत आवेदनकर्ताओं के प्रतिनिधियों ने प्राधिकारी को सम्बोधित (दिनांक 11.10.2011 के) एक पत्र का उल्लेख किया जिसके द्वारा उन्होंने दावा किया कि उस समय प्राधिकारी की ओर से इस मामले के एक प्रभारी अधिकारी के अनुरोध पर उन्होंने एम ई टी का विवरण दिनांक 13.10.2011 को व्यक्तिगत रूप से प्रस्तुत किया था, इसके अतिरिक्त, सत्यापन रिपोर्ट के संबंध में अपनी टिप्पणियां प्रस्तुत करते हुए अपने एक पत्र में, जो प्राधिकारी को दिनांक 29.04.2013 को प्राप्त हुआ था, आवेदनकर्ताओं के प्रतिनिधियों ने यह भी उल्लेख किया कि औपचारिक एम ई टी प्रश्नावली प्रस्तुत करने के उनके आग्रह पर अधिकारियों ने उनसे विशेष रूप से यह उल्लेख किया कि उन्होंने एम ई टी के लिए अपेक्षित लगभग सभी सूचनाओं का सत्यापन कर लिया है, इसलिए कंपनी को पहले प्रस्तुत किए गए पत्र की प्रति दायर करने की आवश्यकता नहीं है और इसके अतिरिक्त, कंपनियों के एम ई टी दर्जे के लिए अनुरोध की जांच सत्यापन की संपूर्ण प्रक्रिया में की गई तथा कंपनी को इस तथ्य के आलोक में चिन्तित होने जरूरत नहीं है कि चीन को एक देश के रूप में भारत द्वारा पिछले तीन वर्षों से, और विट्रीफाइड टाइल्स के संबंध में मौजूदा प्रक्रिया में भी, बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में माना जा रहा है। इस संबंध में प्राधिकारी ने आवेदनकर्ताओं के विधिक प्रतिनिधियों के इस दावे को अस्वीकार कर दिया कि सत्यापन की प्रक्रिया के दौरान उन्हें एम ई टी के संबंध में अपने दावे को स्वीकार किए जाने के बारे में आश्वस्त किया गया था क्योंकि सत्यापन प्रक्रिया का उद्देश्य किसी तरह का आश्वासन देना नहीं है बल्कि प्राधिकारी को पहले से प्रस्तुत सूचना/ आंकड़ों का आवेदनकर्ताओं के रिकार्ड से सत्यापन करना है। प्राधिकारी पुनः यह नोट करते हैं कि उक्त पत्र, जिसके लिए यह दावा किया गया कि उन्होंने वह पत्र प्रभारी अधिकारी को दिनांक 13.10.2011 को प्रस्तुत किया था, न तो प्राधिकारी के रिकार्ड में उपलब्ध है और न ही आवेदनकर्ताओं के प्रतिनिधि सत्यापन के समय इस आशय की कोई पावती प्रस्तुत कर सके। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि दिनांक 20.04.2011 के पत्र सं. 15/20/2010-डीजीएडी के साथ आवेदक को भेजी गई एम ई टी प्रश्नावली, आवेदक कंपनी से विभिन्न पैरामीटरों से संबंधित समर्थनकारी साक्ष्य/दस्तावेजों के साथ-साथ एक व्यापक एवं सकारात्मक स्वीकारोक्ति स्पष्ट करती है। वर्तमान मामले में तथ्य यह बना रहता है कि आवेदक कंपनी द्वारा उसे जांच की शुरुआत के पश्चात स्पष्ट रूप से दायर नहीं किया गया और इसी कारण कंपनी के प्रतिनिधियों को चाहिए कि वे सत्यापन के दौरान औपचारिक एम ई टी प्रश्नावली प्रत्युत्तर प्रस्तुत करें।

28. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संयंत्र एवं मशीनरी तथा भूमि और भवन में किया गया निवेश कंपनी के दिनांक 30 जून, 2012 के तुलनपत्र के अनुरूप प्रस्तुतिकरण से मेल नहीं खाता है। इस संबंध में कंपनी से परिसंपत्ति अनुसूची के साथ-साथ संयंत्र एवं मशीनरी का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया। कंपनी ने स्वीकार किया कि तुलनपत्र के अनुसार सकल निवेश के आंकड़ों में, प्रश्नावली प्रत्युत्तर में यथा दावाकृत भूमि के मूल्य को शामिल नहीं किया

326940/13-5

जाता है। प्राधिकारी ने जमीन का मूल्य निर्धारण करने के आधार, भूमि स्वामित्व/भूमि प्रयोग के बंदोवस्त के संबंध में भी पूछताछ की। कंपनी से भूमि के मूल्य निर्धारण के बारे में मूल्यांकन रिपोर्ट सहित समर्थनकारी दस्तावेज प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया। सत्यापन के दौरान यद्यपि कंपनी ने यह स्वीकार किया कि निर्यातक प्रश्नावली में यथा-उल्लिखित भूमि का मूल्य मैसर्स क्विंगयुआन युनलांग प्रापर्टी डिवलपमेंट कंपनी लिमिटेड द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट पर आधारित था, फिर भी मूल्यांकन रिपोर्ट की प्रतियां सत्यापन के लिए प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत नहीं की गईं। मालिकों द्वारा किए गए पूंजी प्रयोग का सीएचए प्रमाणपत्र और पूंजी निरीक्षण रिपोर्ट ही प्रस्तुत की हैं। तथापि, कंपनी द्वारा निधियों के सृजन के स्रोत के संबंध में कोई दस्तावेज या बैंक एडवाइज, अंतरण की तारीख और कंपनी की लेखा बहियों में पूंजीगत योगदान के रूप में जमा की गई राशि का ब्यौरा सत्यापन के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया है।

29. तथापि, प्राधिकारी ने यह नोट किया कि कंपनी मैसर्स फोशान क्विआंगबिआओ सिरैमिक कंपनी लिमिटेड, फोशान, चीन ने सत्यापन दौर के पश्चात संशोधित परिशिष्टों सहित संगत आंकड़े/ सूचना प्रस्तुत की परंतु चूंकि यह सूचना सत्यापन दौर के पश्चात प्रस्तुत की गई इसलिए इस सूचना की परिशुद्धता की जांच नहीं की जा सकी और प्राधिकारी उसका सत्यापन नहीं कर पाए।

30. कंपनी द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़ों के आधार पर प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादक कंपनी ने जांच की अवधि के दौरान घरेलू बाजार में विभिन्न आकार के कुल 706,194.34 वर्ग मीटर टाइल्स की बिक्री की सूचना दी थी।

31. प्राधिकारी ने यह नोट किया कि प्रश्नावली का प्रत्युत्तर आवेदकों द्वारा अर्थात् मैसर्स फोशान क्विआंगबिआओ सिरैमिक कंपनी लिमिटेड, फोशान, चीन, जन.गण और मैसर्स शीनवे कारपोरेशन लिमिटेड, हांगकांग (निर्यातक) द्वारा दायर किया गया था। जांच की अवधि के दौरान भारत को निर्यात की गई सम्बद्ध वस्तु का उत्पादन मैसर्स फोशान क्विआंगबिआओ सिरैमिक कंपनी लिमिटेड द्वारा और भारत को उसका निर्यात मैसर्स शीनवे कारपोरेशन लिमिटेड, हांगकांग द्वारा किया गया। सत्यापन दौर के दौरान प्राधिकारी ने यह नोट किया कि यद्यपि मैसर्स फोशान क्विआंगबिआओ सिरैमिक कंपनी लिमिटेड, फोशान, चीन जन.गण सम्बद्ध वस्तु का उत्पादन कर रही है, परंतु चीन से बाहर उसका निर्यात करने के लिए कंपनी के पास कोई लाइसेंस नहीं है। तथापि, इस कंपनी ने तृतीय देशों को भारी मात्रा में निर्यात किया है। कंपनी ने जांच की अवधि के दौरान और जांच की अवधि से पहले की अवधि में भी भारत को सम्बद्ध वस्तु का अल्प मात्रा में निर्यात किया है। कंपनी से यह अनुरोध किया गया कि जब उसके पास अपने नाम पर निर्यात लाइसेंस है ही नहीं तो चीन जन.गण. से बाहर अपने माल का निर्यात किए जाने की उसकी तकनीक क्या है। इस पृच्छा के प्रत्युत्तर में कंपनी ने दिनांक 29 जनवरी, 2013 को एक पत्र प्रस्तुत किया और निम्नवत स्पष्टीकरण दिया:

“मैसर्स फोशान क्विआंगबिआओ सिरैमिक कंपनी लिमिटेड, फोशान, चीन जन.गण (जिसे एतदपश्चात् उत्पादक कहा गया है) का चीन में अपना कोई निर्यात लाइसेंस नहीं है क्योंकि चीन में निर्यात लाइसेंस प्राप्त करने के लिए अपेक्षित इक्विटी शेयर पूंजी की अर्हक राशि आर एम बी 10 बिलियन है जबकि उत्पादक की इक्विटी शेयर पूंजी अर्हक राशि से बहुत कम है। अतः चीन से निर्यात आदेश निष्पादित करने के लिए उत्पादक को एक ऐसे एजेंट/व्यापारी की जरूरत पड़ती है जिसके पास निर्यात लाइसेंस हो जो दस्तावेजों का प्रहस्तन करता हो तथा जो संपूर्ण सीमाशुल्क प्रलेखन करता हो और चीन जन.गण में अपने लाइसेंस का प्रयोग करता हो। इसलिए, चीन जन.गण. से निर्यात करने के लिए उत्पादक को एक ऐसे एजेंट की नियुक्ति करने की जरूरत पड़ी जिसके पास चीन से निर्यात करने का लाइसेंस हो और इस प्रकार इसने मै. फोशान होंगलिगाओ ट्रेड कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण की व्यवस्था की जिसके पास मैसर्स फोशान क्विआंगबिआओ सिरैमिक कंपनी लिमिटेड, फोशान, चीन जन.गण की ओर से शीनवे कारपोरेशन द्वारा भारत को निर्यात सुलभ बनाने के लिए सुविधा प्रदायक और प्रहस्तन एजेंट के रूप में निर्यात लाइसेंस था, मैसर्स फोशान होंगलिगाओ ट्रेड कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण को भारत को निर्यात पूरा करने के लिए क्लीयरिंग एवं अग्रेषण कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया।

मैसर्स शीनवे कारपोरेशन लिमिटेड, हांगकांग, जो अलग सीमाशुल्क क्षेत्र में है और वह चीन जन.गण में निर्यात लाइसेंस धारित नहीं कर सकता है। तथापि, चूंकि उत्पादक की कीमतें फैक्टरी बाह्य कीमतें हैं, इसलिए समस्त हैंडलिंग, मालभाड़ा और पत्तन हैंडलिंग प्रभार निर्यातक द्वारा अथवा भारत में आयातक द्वारा वहन किए जाते हैं जिन्हें मैसर्स शीनवे कारपोरेशन लिमिटेड, हांगकांग द्वारा जोड़ा जाता है और इसे अपने मार्जिन के साथ-साथ निर्यात कीमत के रूप में माना जाता है।

यह कहने की जरूरत नहीं है कि मैसर्स शीनवे कारपोरेशन लिमिटेड हांगकांग द्वारा भुगतान किये गये हैंडलिंग प्रभार पत्तन हैंडलिंग प्रभार ही हैं जबकि मैसर्स फोशान होंगलिगाओ ट्रेड कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण को संदत्त हैंडलिंग प्रभार उनके सीमाशुल्क दस्तावेज हैंडलिंग प्रभार हैं।”

32. प्राधिकारी के अनुसार, कंपनी द्वारा ऊपर किए गए प्रस्तुतिकरण को ध्यान में रखते हुए, वर्तमान मामले में मैसर्स फोशान होंगलिगाओ ट्रेड कंपनी लिमिटेड, निर्यात लाइसेंस धारक होने के कारण वास्तविक निर्यातक है जबकि उक्त कंपनी द्वारा कोई निर्यातक प्रत्युत्तर दायर नहीं किया गया है। यह विशेष रूप से ऐसा इसलिए है क्योंकि उक्त लाइसेंस धारक के नाम में शीनवे कारपोरेशन हांगकांग के नाम से भुगतान रसीदों सहित अन्य निर्यात दस्तावेज हैं। अतः, वर्तमान मामले में निर्यात के लिए पूर्व सरणी होगी मैसर्स फोशान क्विआंगबिआओ सिरैमिक कंपनी

लिमिटेड फोशान, चीन जन.गण (उत्पादक) से मैसर्स फोशान होंगलिगाओ ट्रेड कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण (निर्यातक) को और फिर उससे मैसर्स शीनवे कारपोरेशन लिमिटेड हांगकांग (व्यापारी/निर्यातक) को। इसके अतिरिक्त, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि नवीन शिपर समीक्षा जांच की शुरुआत करने के लिए प्राधिकारी के समक्ष याचिका दायर करते समय उत्पादक मैसर्स फोशान क्विआंगबिआओ सिरैमिक कंपनी लिमिटेड, फोशान, चीन जन.गण और मैसर्स शीनवे कारपोरेशन लिमिटेड हांगकांग(व्यापारी/निर्यातक) दोनों ही यह जानते थे कि मैसर्स फोशान क्विआंगबिआओ सिरैमिक कंपनी लिमिटेड फोशान की ओर से चीन जन.गण से बाहर किए जाने वाले निर्यात के लिए चीन में निर्यात लाइसेंस धारक मैसर्स फोशान होंगलिगाओ ट्रेड कंपनी लिमिटेड है और यह कि वर्तमान मामले में निर्यात के लिए संपूर्ण सरणी मैसर्स फोशान क्विआंगबिआओ सिरैमिक कंपनी लिमिटेड फोशान, चीन जन.गण (उत्पादक) से मैसर्स फोशान होंगलिगाओ ट्रेड कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण (निर्यातक) से मैसर्स शीनवे कारपोरेशन लिमिटेड, हांगकांग (व्यापारी/निर्यातक) है।

33. सत्यापन दौर के दौरान प्राधिकारी के अनुरोध पर कंपनी ने मैसर्स फोशान होंगलिगाओ ट्रेड कंपनी लिमिटेड के पक्ष में जारी निर्यात लाइसेंस की एक प्रति प्रस्तुत की। सत्यापन के दौरान प्राधिकारी ने उल्लेख किया कि अंतरनिविष्टियों पर भुगतान किए गए वैट की वसूली निर्यात बिक्रियों से की जाती है और प्रतिदाय निर्यातक द्वारा प्राप्त किए जाते हैं। अतः प्राधिकारी ने कंपनी से निर्यातों पर प्राप्त वास्तविक प्रतिदाय का ब्यौरा प्रस्तुत करने का अनुरोध किया। इसके प्रत्युत्तर में, कंपनी के विधिक प्रतिनिधि द्वारा यह स्पष्ट किया गया कि निर्यातक प्रश्नावली के उनके प्रस्तुतिकरण में बीजक मूल्य वैट (वी ए टी) के निवल को प्रदर्शित किया गया है और इसलिए इनपुट पर भुगतान किए गए वैट (वी ए टी) की संपूर्ण राशि की कटौती निर्यात कीमत से की गई है। तथापि, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि मैसर्स फोशान होंगलिगाओ ट्रेड कंपनी लिमिटेड द्वारा निर्यातक प्रश्नावली फाइल न किए जाने की स्थिति में न तो निर्यातक कंपनी के स्वामित्व, न ही निर्यातक कंपनी द्वारा निर्यात कीमत से किए गए वास्तविक व्यय के संबंध में प्राप्त और समायोजन योग्य वैट (वी ए टी) प्रतिदाय की वास्तविक राशि के ब्यौरों तथा आवेदकों मैसर्स फोशान क्विआंगबिआओ सिरैमिक कंपनी लिमिटेड फोशान, चीन जन.गण और मैसर्स शीनवे कारपोरेशन लिमिटेड, हांगकांग के साथ इसके संबंधों का सत्यापन किया जा सका।

प्रकटन पश्चात किए गए विवरण प्रस्तुतिकरण

34. आवेदनकर्ताओं द्वारा प्रकटन पश्चात किए गए विवरण प्रस्तुतिकरण संक्षेप में निम्नलिखित हैं-

i. बाजार अर्थव्यवस्था प्रश्नावली, जिसके बारे में यह दावा किया गया कि उसे प्राधिकारी द्वारा भेजा गया है, शायद प्राधिकारी ने उसे अपने दिनांक 20.04.2011 के पत्र साथ कभी भी संलग्न नहीं किया नहीं भेजा था क्योंकि इस मामले से संबंधित अपेक्षित जानकारी प्राधिकारी के पास पहले ही 13 अक्टूबर, 2011 को प्रस्तुत कर दी गई थी। सत्यापन अधिकारियों ने सत्यापन के समय यह आश्वस्त किया था कि उन्होंने बाजार अर्थव्यवस्था दर्ज के लिए अपेक्षित सभी जानकारी का सत्यापन कर लिया है और सभी वांछित साक्ष्य एकत्र कर लिए हैं और यह कि वर्तमान मामले में चीन को बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में माना गया है। प्राधिकारी को संगत दस्तावेज सत्यापन रिपोर्ट से सम्बंधित टिप्पणियों के साथ 26 अप्रैल, 2013 को पुनः प्रस्तुत किए गए थे।

ii. यह प्रेक्षण कि बिस्कुट फैक्टरी 2007 में स्थापित की गई थी और पालिसिंग फैक्टरी की स्थापना 2010 में की गई थी भी तथ्यात्मक रूप से गलत है क्योंकि पालिसिंग फैक्टरी की स्थापना वर्ष 2007 में तथा बिस्कुट फैक्टरी की स्थापना वर्ष 2010 में की गई थी।

iii. जांच अवधि के लिए संशोधित पी एंड एल खाते तथा तुलनपत्र और अनुलग्नक V, VI, VII तथा VIII और अनुलग्नक I से IX तक की सत्यापन अधिकारियों द्वारा साक्ष्य सहित जांच की गई और उन्होंने उसे कंपनी के पास हस्ताक्षर के लिए तथा प्राधिकारी को कूरियर के जरिए भेजने हेतु छोड़ दिया। इन दस्तावेजों को सत्यापन के पश्चात कार्यालय का संक्षिप्त विवरण देते हुए अधिकारी के पास 2 दिनों के अंदर विधिवत मेल कर दिया गया और उसकी हस्तलिखित प्रति इस कार्यालय द्वारा 7 फरवरी, 2013 को प्राप्त कर ली गई।

iv. मैसर्स फोशान होंगलिगाओ ट्रेड कम्पनी लिमिटेड, चीन जन.गण. उत्पादक मैसर्स फोशान क्विआंगबिआओ सिरैमिक कंपनी लिमिटेड फोशान, चीन जन.गण. का केवल एक एजेंट है और न कि एक निर्यातक, जैसा कि प्राधिकारी द्वारा तथ्यों के विपरीत त्रुटिपूर्ण निष्कर्ष निकाला गया है। मैसर्स फोशान होंगलिगाओ ट्रेड कम्पनी लिमिटेड चीन जन.गण., मैसर्स फोशान क्विआंगबिआओ सिरैमिक कंपनी लिमिटेड चीन जन.गण. के लिए केवल प्रलेखन प्रहस्तन और सीमाशुल्क दस्तावेजीकरण का सुविधा प्रदायक था। प्राधिकारी ने मैसर्स फोशान क्विआंगबिआओ सिरैमिक कम्पनी लिमिटेड, फोशान, चीन जन.गण. की बहियों से एच एल जी द्वारा प्राप्त कमीशन और उत्पादक मैसर्स फोशान क्विआंगबिआओ सिरैमिक कंपनी लिमिटेड फोशान, चीन जन.गण. द्वारा भुगतान किए गए वीएटी की राशि का सत्यापन किया था। भारत को निर्यात कीमतों का निर्धारण शीनवे द्वारा उठाए गए बीजको से किया गया है और किए गए व्यय तथा एजेंट को पुनर्अदायगी किए गए वीएटी का समायोजन मैसर्स फोशान क्विआंगबिआओ सिरैमिक कंपनी लिमिटेड फोशान, चीन जन.गण. द्वारा दर्ज प्रत्युत्तरों से किया गया है।

v. सत्यापन के पश्चात तर्क संगत समय के अंतर्गत प्राधिकृतीकरण के पश्चात सभी अतिरिक्त दस्तावेज सौंपने का अनुरोध करना प्राधिकारियों के लिए एक परम्परा बन गई है। सत्यापन अधिकारियों के अनुरोध पर हमारे क्लाइंट ने प्रकटन दस्तावेज में उल्लिखित दस्तावेज 6 फरवरी, 2013 को भेजे और इन्हें प्राधिकारियों द्वारा 7 फरवरी, 2013 को विधिवत प्राप्त किया गया था।

3269 4/13-6

vi. प्राधिकारी ने डब्ल्यू टी ओ पाटनरोधी करार के अंतर्गत नवीन शिपर समीक्षा को पूरा करने के लिए निर्धारित समय-सीमा का पालन नहीं किया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

35. प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्रकटन पश्चात किए गए अधिकांश विवरण प्रस्तुतीकरण पुनरावृत्तिकारी प्रकृति के हैं और उनका प्रकटन विवरण में पहले ही समाधान कर दिया गया है और उनका इस अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना में जांच की संगत पाई गई सीमा तक उपयुक्त शीर्षकों के अंतर्गत फिर समाधान कर दिया गया है। प्राधिकारी ने प्रस्तुतिकरणों की निम्नवत जांच की है:-

i. इस दावे के सम्बंध में कि बाजार अर्थव्यवस्था (एम ई टी) का दावा करने के लिए प्रश्नावली आवेदनकर्ताओं के कानूनी प्रतिनिधियों को कभी नहीं भेजी गई, यह कहा जा सकता है कि यह दावा पूरी तरह से गलत है जैसा कि कम्पनी को सम्बोधित दिनांक 20.04.2011 के पत्र सं. 15/20/2010-डीजीएडी से स्पष्ट है जिसमें कम्पनी से बाजार अर्थव्यवस्था प्रश्नावली दर्जे (एम ई टी) का दावा करने के लिए प्रश्नावली सहित निर्धारित प्रपत्रों में कई जानकारियां मांगी गई थी। इसके अतिरिक्त, आवेदक का यह दावा कि एम ई टी दर्जा प्रदान करने से सम्बंधित सभी अपेक्षित सूचना प्राधिकारी को 13.10.2011 को सौंप दी गई थी, दौरे की एक प्राप्ति रसीद पर आधारित है। इस रसीद में केवल यह दर्शाती गया है कि उनकी सम्बंधित अधिकारी से केवल मुलाकात हुई थी। आवेदनकर्ताओं ने इस आशय का कोई दस्तावेजी साक्ष्य नहीं दिया है कि उन्होंने एम ई टी प्रश्नावली भी प्रस्तुत कर दी थी। आवेदकों ने यह स्वीकार किया है कि प्राधिकारी ने दिनांक 20.04.2011 के पत्र के प्रत्युत्तर में कोई एम ई टी प्रश्नावली नहीं भेजी गई थी।

ii. इस दावे के सम्बंध में कि फोशान को सत्यापन दौरे के दौरान सत्यापन अधिकारियों ने कम्पनी को स्पष्ट रूप से आश्वस्त किया था कि उन्होंने एम ई टी के लिए अपेक्षित सभी सूचना का सत्यापन कर लिया है और वांछित साक्ष्य एकत्र कर लिए हैं और इस जांच में चीन को बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में माना गया है, प्राधिकारी पुनः उल्लेख करते हैं कि एम ई टी के सम्बंध में उनका दावा पूर्णतया गलत और भ्रामक है क्योंकि सत्यापन प्रक्रिया का उद्देश्य किसी तरह का आश्वासन देना नहीं होता है, बल्कि इसका प्रयोजन पहले से प्रस्तुत सूचना/आंकड़ों का आवेदनकर्ताओं के रिकार्ड से प्राधिकारी द्वारा सत्यापन करना होता है। इस सम्बंध में तथ्यपरक स्थिति सत्यापन दौरे के पश्चात प्राधिकारी द्वारा जारी सत्यापन रिपोर्ट में दर्शायी गई है।

iii. इस तथ्य को कि पालिशिंग यूनिट की स्थापना 2007 में की गई तथा बिस्किट निर्माण करने वाली यूनिट की स्थापना वर्ष 2010 में की गई, नोट कर लिया गया तथा उसे स्वीकार कर लिया गया है।

iv. कम्पनी के इस दावे के सम्बंध में कि सत्यापन दौर के दौरान पी एंड एल लेखाओं तथा तुलनपत्र से सम्बंधित अनुलग्नकों को और अन्य अनुलग्नकों को जिनमें प्राधिकारी की सत्यापन टीम द्वारा भारी विसंगतियों का उल्लेख किया गया था, में संशोधन कर दिया गया है और उनकी सत्यापन टीम द्वारा जांच कर ली गई है, पूर्णतया गलत है। सत्यापन के दौरान कम्पनी ने न केवल विसंगति को स्वीकार किया था बल्कि इस तथ्य को भी माना था कि उसके लिए निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर में उपयुक्त परिवर्तन/ संशोधन भी करने होंगे। सत्यापन दौर के दौरान नोट की गई विसंगतियों को महत्वपूर्ण भी स्वीकार किया गया था। इस सम्बंध में उत्पादक कम्पनी द्वारा सत्यापन के निष्कर्ष तक संगत दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सके। हालांकि कम्पनी ने इनमें से कुछ दस्तावेज सत्यापन के पश्चात प्रस्तुत किए थे परन्तु सत्यापन रिपोर्ट के प्रत्युत्तर में कम्पनी से जो अन्य दस्तावेज/रिकार्ड प्राप्त हुए वे 29.04.2013 को मिले थे। इसके अतिरिक्त, आवेदक के इस अनुरोध के सम्बंध में कि सत्यापन दौर के पश्चात प्रस्तुत संशोधित दस्तावेज प्राधिकारी द्वारा स्वीकार कर लिए गए थे, प्राधिकारी नोट करते हैं कि वह ऐसे दस्तावेजों को स्वीकार नहीं कर सकते हैं क्योंकि इस सूचना/आंकड़ों की परिशुद्धता की जांच एवं सत्यापन प्राधिकारी द्वारा नहीं किया जा सका।

v. कम्पनी के इस दावे के सम्बंध में कि मैसर्स फोशान होंगलिगाओ ट्रेड कम्पनी लिमिटेड, चीन जन.गण, मैसर्स फोशान क्विआंगबिआओ सिरैमिक कम्पनी लिमिटेड फोशान, चीन जन.गण का प्रलेखन प्रहस्तन और सीमाशुल्क दस्तावेजीकरण हेतु केवल एक सुविधा प्रदायक था, न कि चीन जन.गण. से वास्तविक निर्यातक, जैसाकि प्राधिकारी द्वारा निर्धारित किया गया है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह एक स्वीकृत तथ्य है कि मैसर्स फोशान क्विआंगबिआओ सिरैमिक कम्पनी लिमिटेड फोशान, चीन जन.गण, इस समीक्षा में निर्यात लाइसेंस धारक हैं और प्राधिकारी पुनः यह उल्लेख करते हैं कि मैसर्स फोशान होंगलिगाओ ट्रेड कम्पनी लिमिटेड, चीन जन.गण, निर्यात लाइसेंस धारक होने के कारण, वर्तमान मामले में वास्तविक निर्यातक है और यह विशेष रूप से इसलिए भी सही है क्योंकि शीनवे कारपोरेशन, हांगकांग से भुगतान रसीदों सहित सभी निर्यात दस्तावेज उक्त लाइसेंसधारक के नाम पर किए गए हैं। इस प्रकार, वर्तमान मामले में निर्यात के लिए सम्पूर्ण सरणी मैसर्स फोशान क्विआंगबिआओ सिरैमिक कम्पनी लिमिटेड फोशान, चीन जन.गण (उत्पादक) से मैसर्स फोशान होंगलिगाओ ट्रेड कम्पनी लिमिटेड, चीन जन.गण (निर्यातक) से मैसर्स शीनवे कारपोरेशन लिमिटेड, हांगकांग (व्यापारी/ निर्यातक) है।

vi. कम्पनी के इस दावे के सम्बंध में कि प्राधिकारी ने नवीन शिपर समीक्षा को पूरा करने के लिए निर्धारित समय-सीमा का पालन नहीं किया है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्राधिकारी द्वारा सम्बद्ध जांच पाटनरोधी नियमावली के प्रावधानों के अनुरूप की गई है।

निष्कर्ष एवं सिफारिश

36. आवेदनकर्ताओं द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरणों तथा उनमें उठाए गए मुद्दों की जांच करने तथा रिकार्ड में उपलब्ध तथ्यों पर विचार करने के पश्चात, प्राधिकारी निम्नलिखित सिफारिश करते हैं:-

i. चीन जन.गण के मूल के अथवा मैसर्स फोशान क्विआंगबिआओ सिरैमिक कम्पनी लिमिटेड, फोशान चीन जन.गण (उत्पादक) तथा मैसर्स शीनवे कारपोरेशन लिमिटेड, हांगकांग द्वारा चीन जन.गण से भारत को निर्यातित और सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम, 1975 के अध्याय 69 के अंतर्गत आने वाले विट्रीफाइड/पोर्सिलेन टाइल्स के निर्यातों के बारे में प्राधिकारी द्वारा किसी भी व्यक्तिगत पाटन मार्जिन की सिफारिश नहीं की गई है।

ii. प्राधिकारी ने सम्बद्ध वस्तु के मैसर्स फोशान क्विआंगबिआओ कम्पनी लिमिटेड, चीन जन.गण (उत्पादक) द्वारा मैसर्स शीनवे कारपोरेशन लिमिटेड हांगकांग (निर्यातक) के माध्यम से समीक्षा के पूरे होने तक किए गए सभी निर्यातों पर पाटनरोधी नियमावली के नियम 22 के अनुसार तथा दिनांक 01.05.2003 की अधिसूचना संख्या 73/2003-सीमाशुल्क एवं दिनांक 27 जून, 2008 की अधिसूचना सं. 82/2008 को ध्यान में रखते हुए अनंतिम आकलन की सिफारिश की थी।

ii. पाटनरोधी नियमावली के नियम 22 को निम्नवत पढ़ा जाता है:

"यदि कोई उत्पाद पाटनरोधी शुल्क के अध्यधीन है, तो निर्दिष्ट प्राधिकारी प्रश्नाधीन निर्यातकर्ता देश में ऐसे किसी निर्यातक अथवा उत्पादक के लिए व्यक्तिगत पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के प्रयोजन से आवधिक समीक्षा करेंगे जिसने जांच की अवधि के दौरान उस उत्पाद का भारत को निर्यात नहीं किया है, वशर्त कि यह निर्यातक अथवा उत्पादक यह प्रदर्शित करता हो कि निर्यातक देश में उसका ऐसे किसी निर्यातकर्ता या उत्पादक से कोई संबंध नहीं है जो इस उत्पाद के संबंध में पाटनरोधी शुल्क के अध्यधीन है।

(2) केन्द्रीय सरकार समीक्षा की अवधि के दौरान किसी ऐसे निर्यातक या उत्पादक से किए गए आयातों पर अधिनियम की धारा 9क की उपधारा (1) के अंतर्गत पाटनरोधी शुल्क का उद्ग्रहण नहीं करेगी जैसा कि इस नियम के उपनियम (1) में उल्लिखित है:

शर्त यह है कि केन्द्रीय सरकार अनन्तिम आकलन का आश्रय ले सकती है और यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी यह सिफारिश करते हैं कि आयातक से गारंटी मांगी जाए और यदि इस समीक्षा के परिणामस्वरूप इस उत्पाद अथवा निर्यातक के संबंध में पाटन का निर्धारण होता है तो वह इन मामलों में जांच शुरुआत की समीक्षा की तारीख से पूर्वव्यापी प्रभाव से शुल्क उद्ग्रहण कर सकते हैं।"

iii. प्राधिकारी की सिफारिशों का क्रियान्वयन करने के लिए वित्त मंत्रालय ने दिनांक 10 जुलाई, 2012 को अधिसूचना संख्या 35/2012-सीमाशुल्क (एडीडी) जारी की थी जिसमें, अन्य बातों के साथ-साथ, यह प्रावधान किया गया था कि प्राधिकारी द्वारा समीक्षा का परिणाम लम्बित रहने के कारण सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम के अध्याय 69 के अंतर्गत आने वाले, विट्रीफाइड इंडस्ट्रियल टाइल्स को छोड़कर, अन्य सभी विट्रीफाइड/पोर्सिलेन टाइल्स के मैसर्स फोशान क्विआंगबिआओ कम्पनी लिमिटेड, चीन जन.गण (उत्पादक) द्वारा मैसर्स शीनवे कारपोरेशन लिमिटेड, हांगकांग (निर्यातक) के जरिए किए गए सभी निर्यात, समीक्षा पूरी होने तक अनंतिम आकलन के अध्वधीन रहेगे।

iv. प्राधिकारी के इस निष्कर्ष के आलोक में कि मैसर्स फोशान क्विआंगबिआओ सिरैमिक कम्पनी लिमिटेड, फोशान, चीन जन.गण (उत्पादक) और मैसर्स शीनवे कारपोरेशन लिमिटेड, हांगकांग द्वारा भारत को विट्रीफाइड टाइल्स के किए गए निर्यातों के बारे में कोई भी व्यक्तिगत पाटन मार्जिन औचित्यपूर्ण नहीं है, प्राधिकारी पुनः सिफारिश करते हैं कि मैसर्स फोशान क्विआंगबिआओ कम्पनी लिमिटेड, चीन जन.गण (उत्पादक) तथा मैसर्स शीनवे कारपोरेशन लिमिटेड, हांगकांग (निर्यातक) चीन जन.गण के मूल के अथवा वहां से निर्यातित, सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम, 1975 के अध्याय 69 के अंतर्गत आने वाले विट्रीफाइड/पोर्सिलेन टाइल्स के निर्यातों के बारे में दिनांक 27 जून, 2008 की अधिसूचना संख्या 82/2008-सीमाशुल्क के तहत यथा-लागू भारतीय रूपए में 155 रूपए प्रति वर्गमीटर की दर से शुल्क की अवशिष्ट दर का भुगतान करेंगे।

37. केन्द्रीय सरकार के इस आदेश के विरुद्ध सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद कर और सेवा कर अपीलीय अधिकरण में अपील की जा सकेगी।

जे. एस. दीपक, निर्दिष्ट प्राधिकारी

3269 46/13-7

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 24th July, 2013

FINAL FINDINGS

Subject:- New Shipper Review under Rule 22 of the Anti-Dumping Rules for determination of individual dumping margin for the purposes of imposition of the anti dumping duties on dumped imports of Vitrified/ Porcelain Tiles originating in or exported from China PR by M/s Foshan Qiangbiao Co. Ltd, China PR (Producer) through M/s Sheenway Corporation Ltd., Hong Kong (Exporter).

No. 15/20/2011-DGAD. — Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Duty or Additional Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, as amended (hereinafter referred to as the AD Rules);

BACKGROUND

2. M/s Foshan Qiangbiao Co. Ltd, China PR (Producer) through M/s Sheenway Corporation Ltd., Hong Kong (Exporter) filed an application in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 (hereinafter referred to as the Act), as amended from time to time and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time (hereinafter referred to as the AD Rules), before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) requesting for determination of individual dumping margin for the purposes of imposition of the anti dumping duties recommended by the Authority on dumped imports of Vitrified/Porcelain Tiles originating in or exported from China PR vide Final Findings Notification No 37/1/2001-DGAD dated 4th February, 2003 in the original anti-dumping case and Final Findings Notification No 15/17/2006-DGAD dated 21st April 2008 in the Sunset Review anti-dumping case and the corrigendum issued thereof dated 21st May, 2008 and levied by the Central

Government vide Notifications No Customs No. 73/2003-Customs dated 01st May, 2003 and No 82/2008-Customs dated 27th June, 2008.

3. The Act and the AD Rules made thereunder require the Authority to undertake a New Shipper Review for the purpose of determining individual margin of dumping for any exporter or producer in the exporting country in question who has not exported the subject goods to India during the period of investigation of the earlier case of anti-dumping investigation concerning imports of the subject goods from the subject country and that the applicants is / are not related to any of the exporters and producers in the exporting country who are subjected to the antidumping duty. The applicants claimed that they were not related to any of the exporters/producers in China PR subject to anti dumping measures in force with regard to product concerned. Furthermore, they claimed that they had not exported the product concerned during the period of investigation of the original investigation and in the Sunset review investigation. The Authority prima facie examined the information submitted by the applicants and at the stage of initiation of the investigation, found it sufficient to justify the initiation of a New shipper review investigation in accordance with the provisions of Rule 22 of the AD Rules. The Authority accordingly initiated the New Shipper Review under Rule 22 of the AD Rules vide Notification No. 15/20/2011-DGAD dated 19th April, 2012.

4. The aforesaid new shipper investigation was initiated in the matter concerning import of Vitrified/Porcelain tiles falling under Chapter 69 of the Customs Tariff Act, 1975 originated in or exported from China PR where the Authority vide its Final Findings Notification No 37/1/2001-DGAD dated 4th February, 2003 in the original anti-dumping case and Final Findings Notification No 15/17/2006-DGAD dated 21st April 2008 in the Sunset Review anti-dumping case and the corrigendum issued thereof dated 21st May, 2008, had, inter-alia, come to conclusion that:

- a. Vitrified/Porcelain Tiles have been exported to India from UAE and China PR below its normal value resulting in dumping;
- b. The Indian industry has suffered material injury; and
- c. The injury has been caused cumulatively by the imports from the subject countries.

5. The Central Government imposed anti-dumping duty vide Notification No. 73/2003-Customs, dated 1.5.2003, in the original investigation on imports of vitrified/ porcelain tiles from UAE and China PR, other than vitrified industrial tiles, falling under Chapter 69 of Customs Tariff Act, with effect from the date of imposition of the provisional anti dumping duty, i.e., 2.5 2002.

6. The Authority recommended continued imposition of antidumping duties on imports originating from China PR after conducting the sunset review investigation vide Notification No. 15/17/2006-DGAD dated 21st April, 2008 and the Corrigendum issued thereof dated 21st May, 2008. Based on such recommendations, the Central Government imposed anti dumping duties vide Notification No 82/2008-Customs, dated 27th June, 2008.

7. In the present Review, the Authority recommended provisional assessment on all exports of the subject goods made by M/s Foshan Qiangbiao Co. Ltd, China PR (Producer) through M/s Sheenway Corporation Ltd., Hong Kong (Exporter) till this Review was completed, in accordance with the Rule 22 of the AD Rules and having regard to Notifications No. 73/2003-Customs dated 01-05-2003 and No. 82/2008-Customs dated 27th June, 2008.

8. The Ministry of Finance issued Notification No 35/2012–Customs (ADD) dated 10th July, 2012 implementing the recommendations of the Authority, which, *inter- alia*, provided that pending the outcome of the review by the Authority, all imports of vitrified/ porcelain tiles falling under Chapter 69 of the Customs Tariff Act by M/s Foshan Qiangbiao Co. Ltd, China PR (Producer) through M/s Sheenway Corporation Ltd., Hong Kong (Exporter) would be subjected to provisional assessment till the review was completed.

PRODUCT UNDER CONSIDERATION & LIKE ARTICLE

9. The product under consideration in the original investigation and the sunset review was “Unglazed tiles in polished or unpolished finish and Glazed Porcelain / Ceramic tiles both with less than 3% water absorption (commonly known as Vitrified Tiles Porcelain Tiles)” (also referred to as the subject goods). Glazed and unglazed tiles are used primarily for coverings for floors as well as on walls. These tiles are used in buildings, homes, restaurants, cinema halls, airports, swimming pools, railway stations etc. All types of the subject goods are classified within chapter heading 69. The classification is, however, indicative and in no way binding on the scope of the present investigation.

10. The product under consideration in this investigation is Vitrified/Porcelain tiles as determined in the original investigation and the Sunset Review investigation. No submission has been made by any interested party on the product under consideration and like article. It is noted that the Vitrified/porcelain Tiles produced by the domestic industry is ‘like article’ to Vitrified/porcelain Tiles being exported by M/s Foshan Qiangbiao Co. Ltd, China PR (Producer) through M/s Sheenway Corporation. Ltd., Hong Kong (Exporter) within the meaning of the AD Rules. In view of the foregoing, The Authority, therefore, holds that product under consideration in the present investigation is the same as considered in the original investigation and the Sunset review investigation, i.e., “Vitrified/Porcelain Tiles”, classifiable under Chapter 69 of the Custom Tariff Act, 1975.

PROCEDURE FOLLOWED IN THE INVESTIGATION

11. The procedure described below has been followed in this investigation:

- i. The period of investigation in this new shipper review investigation was from 1st January 2012 to 30th June 2012 (6 months for determination of the dumping margin).
- ii. The Authority intimated the Embassy of the exporting country in India about the initiation of the new shipper review investigation and gave an opportunity to all the interested parties concerned to make their view known in writing within 40 days from the expiry of the POI, i.e., 1st January, 2012 to 30th June, 2012.
- iii. The Authority sent a copy of exporter's questionnaire to M/s Foshan Qiangbiao Co. Ltd, China PR (Producer) who had exported the subject goods to India through M/s Sheenway Corporation Ltd., Hong Kong (Exporter). The Authority also sent the market economy treatment questionnaire to M/s Foshan Qiangbiao Co. Ltd, China PR (Producer) to elicit relevant information.
- iv. M/s Foshan Qiangbiao Co. Ltd, China PR (Producer) and M/s Sheenway Corporation Ltd., Hong Kong (Exporter) submitted the exporter's questionnaire response. M/s Foshan Qiangbiao Co. Ltd, China PR (Producer), however, did not submit the market economy treatment questionnaire response.
- v. M/s J S W Industries, Mumbai, an importer of the subject goods, also submitted importer's questionnaire response.
- vi. Copy of the Initiation Notification was also sent to the domestic producers of the subject goods in India seeking necessary information.
- vii. None of the domestic producers of the subject goods in India responded to the Initiation Notification.
- viii. The Authority provided an opportunity to applicants as also the domestic producers of the subject goods to present their views orally in an Oral Hearing held on 31st October, 2012. In the said Oral Hearing, none of representatives of the interested parties except the representatives of the applicants participated.
- ix. The Authority conducted on-the-spot verification of the data furnished by M/s Foshan Qiangbiao Co. Ltd, China PR (Producer) and M/s Sheenway Corporation Ltd., Hong Kong (Exporter).

3269 4/13-8

x. The Authority made available the public file as per Rule 6(7) of the Rules containing non-confidential version of the information/submissions made by various interested parties.

xi. A Disclosure Statement containing the essential facts in this investigation which would have formed the basis of the Final Findings was issued to the interested parties on 4th July, 2013. The post Disclosure Statement submissions received from the interested parties have been considered, to the extent found relevant, in this Final Findings Notification.

xii. *** in the Final Findings represents information furnished by interested parties on confidential basis and so considered by Authority under the AD Rules.

SUBMISSIONS MADE BY THE APPLICANTS/OTHER INTERESTED PARTIES AND EXAMINATION BY THE AUTHORITY

Submissions made by the applicants

12. The following submissions have been made by the applicant companies, i.e., M/s Foshan Qiangbiao Co. Ltd, China PR (Producer) and M/s Sheenway Corporation Ltd., Hong Kong (Exporter):

i) The two applicant companies satisfy the legal requirements for New Shipper Review under the Rules. The primary business of the producer Foshan Qiangbiao Co. Ltd, China PR is the production and sales of vitrified tiles. The company is involved in domestic sales of the product directly as also through affiliated companies and exports sales of product through affiliated company. The company certifies that neither M/s Foshan Qiangbiao Co. Ltd, China PR (producer) nor any of its related organisations has exported the subject goods to India either directly or indirectly during the period of investigation of the original investigation and the sunset review investigation.

ii) Since no other interested party has attended the Oral Hearing and raised any objection within the specified time limit, the matter of new shipper review should be completed early.

iii) Details of installed capacity and the production carried out have been submitted to the Authority in Appendix 4 to the replies filed with the Authority. Further, the exports to India during the POI which is very small as the correction notification (correcting the name of the exporter applicant) was only made on 29th June, 2012 allowing very little period for exports.

iv) M/s Sheenway Corporation Ltd., Hong Kong (Exporter) has been involved in exporting many other types of goods (including electronic goods and solar panels) and that the business of tiles comprises a small part of the total business of M/s Sheenway Corporation Ltd., Hong Kong.

Submissions made by the other interested parties

13. None of the other interested parties has responded to the Initiation Notification. As mentioned above, the Authority also provided an opportunity to the applicants as also the domestic producers of the subject goods who were the applicants in the sunset review investigation to present their views orally in an Oral Hearing held on 31st October, 2012 to make submissions in order to defend their interests and to facilitate the Authority to arrive at a decision in respect of New Shipper Review Investigation. Neither any other interested parties participated in the Oral Hearing nor made any submissions during the course of the investigation. In the absence of any response from any other interested party, the Authority has proceeded to make its recommendations based on the facts available on record.

Examination by the Authority

14. The Authority initiated the New Shipper Review keeping in view the provisions of Rule 22 of the AD Rules, which reads as follows:

"If a product is subject to anti-dumping duties, the designated authority shall carry out a periodical review for the purpose of determining individual margins of dumping for any exporters or producers in the exporting country in question who have not exported the product to India during the period of investigation, provided that these exporters or producers show that they are not related to any of the exporters or producers in the exporting country who are subject to the anti dumping duties on the product.

(2) The Central Government shall not levy anti dumping duties under sub-section (1) of section 9A of the Act, on imports from such exporters or producers during the period of review as referred to in sub-rule (1) of this rule:

Provided that the Central Government may resort to provisional assessment and may ask a guarantee form the importer if the designated authority so recommends and if such a review results in a determination of dumping in respect of such products or exporters, it may levy duty in such cases retrospectively from the date of initiation of the review".

15. Rule 22 specifies the circumstances under which a New Shipper Review investigation is to be carried out for the purpose of determining individual dumping margin. Individual dumping

margin in respect of any exporter or producer from the exporting country in question can be determined provided the following two conditions are satisfied:

- (a) that the exporter or producer has not exported the product under consideration during the period of investigation, and
- (b) that exporter or producer shows that they are not related to any of the exporter or producer in the exporting country who are subject to the anti dumping duties on the product concerned.

16. It is evident from the above that the intention under Rule 22 is to determine individual dumping margin in respect of an exporter or producer who did not export the subject goods in the period of original investigation. Since such producers/exporters did not export subject goods in the period of original investigation, the Authority could not have determined dumping margin in respect of their exports at the time of original (including the Sunset review) investigations. The purpose of the new shipper review provision is, therefore, to provide an opportunity to such producer/exporter to claim individual dumping margin considering that these exporters have been granted residual dumping margin during the original (including the Sunset review) investigations.

17. In the instant case, the following applicants filed an application before the Authority seeking individual dumping margin and requested for initiating the new shipper review:

- a) M/s Foshan Qiangbiao Co. Ltd, China PR (Producer), and
- b) M/s Sheenway Corporation Ltd., Hong Kong (Exporter)

18. The claims with regard to eligibility of the applicants as new shipper were examined to know whether the companies had directly or indirectly exported the product to India in the investigation period of the original investigation or of the sunset review investigation. The applicants were asked to establish their claim that the companies or any of their related company(s) had not exported the product concerned to India in the investigation period of the original investigation or of SSR investigation. The companies provided certification that neither they nor any of their related exporters or producers in the exporting country exported the subject goods to India during the investigation period of the original investigation or of SSR investigation. They also certified that none of their related exporters or producers in the exporting country was subjected to anti dumping duties. The Authority also did not find any adverse material regarding their claim of being a new shipper.

19. The Authority noted that the applicant producer company M/s Foshan Qiangbiao Co. Ltd, China PR was established on 4.1.2007. The Authority noted that the primary business of the producer company M/s Foshan Qiangbiao Co. Ltd, China PR is the production and sales of

vitrified tiles. The company has two units, one for polishing of the tiles and the other for production of the biscuits. The polishing unit was set up in the year 2007 and the biscuit making unit was set up in 2010. The basic raw materials for the manufacture of tiles are sand, mud and clay. Further, some other chemicals are also added at the biscuit making stage. The biscuits are manufactured at company's unit located at Heynn, Guangdong, which are transferred to the polishing unit located at Foshan, Guangdong. The finished product is sold by the company through various channels in the domestic market as well as in the export market. There are only two promoters of the company who are private individuals, each holding shares in the ratio of ***:***. Further, the Authority also notes that the applicant exporter company M/s Sheenway Corporation, Hong Kong was incorporated on 15.5.2008. There are two promoters of the company who hold equity capital of the company in the ratio of ***:***.

METHODOLOGY FOR DETERMINATION OF NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND CALCULATION OF DUMPING MARGIN

Examination by the Authority

20. Normal value under the Act is defined as under:

9A(1) (c) "normal value", in relation to an article, means -

(i) the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or

(ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either -

(a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or [territory to] an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or

(b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6) :

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is

3269 96/13-9

no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin".

21. The Authority, as per Para 8(2) of Annexure I of the AD Rules for the purpose of determination of Normal Value, proceeded with a presumption that any country that has been determined to be or has been treated as a non-market economy country for the purposes of an anti dumping investigation by the Authority or by the competent authority of any WTO Member country during the three years period preceding the investigation is a non-market economic country. In the past three years, WTO members such as EU, USA and India have treated China PR as a non-market economy country in anti-dumping investigations. However, this is a rebuttable presumption in terms of the relevant AD Rules.

22. The AD Rules provide that the normal value concerning imports originating from a Non Market Economy (NME) countries such as China PR, shall be determined in accordance with paras 7 & 8 of Annexure I of the AD Rules. The Authority notes that para 7 of Annexure 1 of AD Rules provides that:

"In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin."

23. Further Para 8 of Annexure 1 of the AD Rules (as amended) provides that:

"8 (1) The term "non-market economy country" means any country which the designated authority determines as not operating on market principles of cost or pricing structures, so that sales of merchandise in such country do not reflect the fair value of the merchandise, in accordance with the criteria specified in sub-paragraph(3)

(2) There shall be a presumption that any country that has been determined to be, or has been treated as, a non-market economy country for purposes of an anti dumping investigation by the Designated Authority or by the competent authority of any WTO member country during the three year period preceding the investigation is a non-market economic country;

Provided, however, that the non-market economy country or the concerned firms from such country may rebut such a presumption by providing information and evidence to the designated authority that establishes that such country is not a

non-market economy country on the basis of the criteria specified in sub-paragraph (3)."

(3) The designated authority shall consider in each case the following criteria as to whether:

- (a) the decisions of the concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;*
- (b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;*
- (c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms, and*
- (d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate.*

Provided, however, that where it is shown by sufficient evidence in writing on the basis of the criteria specified in this paragraph that market conditions prevail for one or more such firms subject to anti-dumping investigations, the designated authority may apply the principles set out in paragraphs 1 to 6 instead of the principles set out in paragraph 7 and in this paragraph"

(4) Notwithstanding, anything contained in sub-paragraph (2), the designated authority may treat such country as market economy country which, on the basis of the latest detailed evaluation of relevant criteria, which includes the criteria specified in sub paragraph (3), has been, by publication of such evaluation in a public document, treated or determined to be treated as a market economy country for the purposes of anti dumping investigations, by a country which is a member of the World Trade Organization".

24. The Authority, vide its letter No. 15/20/2010-DGAD dated 20.4.2011 had sent exporter's questionnaire as well as market economy treatment (MET) questionnaire to the India based Legal Representatives of M/s Foshan Qiangbiao Co. Ltd, China PR (Producer) and M/s Sheenway Corporation Ltd., Hong Kong (Exporter). While both the applicant companies submitted the required information in the prescribed proforma, no response to the market economy questionnaire was filed by the producer company M/s Foshan Qiangbiao Co. Ltd,

China PR in the prescribed proforma in response to the letter No. 15/20/2010-DGAD dated 20.4.2011

25. The Authority, during the verification visit drew the attention of the company to the Initiation Notification No. 15/20/2011-DGAD dated 19.4.2012 and the letter No. 15/20/2010-DGAD dated 20.04.2011 addressed to the company calling for various information, in the prescribed proforma, including the questionnaire for claiming the market economy status (MET). The company representatives were specifically asked to clarify whether any claim for MET has been submitted by them post initiation of the investigation and specifically with respect to the letter dated 20.04.2011 from the Authority. In response to the same, the company admitted during the verification that they have not submitted any claim for MET in the prescribed proforma. The legal representative of the company, however, clarified that before initiation of the investigation, certain specific queries were raised by the Authority in the case and these were appropriately replied to. He further claimed that the written submissions were also filed by the company before the initiation of investigation in response to the issues raised by the Authority. At this stage, the Authority requested the company to furnish the copies of communications, if any, submitted to the Authority prior to the initiation of the investigation. However, no documents / communications in this regard could be furnished by the legal representative of the company at the time of the verification.

26. As mentioned above, no claim for market economy treatment (MET) was submitted by the company post initiation of the investigation called for by the Authority vide its letter No. 15/20/2010-DGAD dated 20.4.2011. During the visit, the company M/s Foshan Qiangbiao Co. Ltd, China PR was requested to furnish the originals of the documents in support of its various claims as per the exporter's questionnaire. The Authority examined the data and documents in respect of details of investments in land & building, investment in plant & machinery, the source of funding of business activities including sources of investment made by the company in the plant and machinery and other assets, shareholders' funds, loans and advances, domestic sales, export sales, VAT refund in respect of exports, cost and finance records, production records etc. Based on the verification of the data/information submitted by the producer company M/s Foshan Qiangbiao Co. Ltd, China PR, a detailed verification report was issued by the Authority calling for the comments of the applicant companies. The verification report, inter-alia, pointed out significant discrepancies in the data for the period of investigation with regard to grade-wise quantity of production of the subject goods; the adjustments in respect of interest cost; the adjustment in respect of opening and closing stocks of the raw materials; the non-availability of certain relevant documents in support of various claims by the producer company M/s Foshan Qiangbiao Co. Ltd, China PR etc. The producer company admitted to the discrepancies pointed out by the verification team of the Authority in its exporter's questionnaire response, in particular Annexure-V, Annexure-VI, Annexure-VII, Annexure- VIII and the Balance Sheet and Profit & Loss Account of the producer company for the period of investigation. The company admitted during the verification that the discrepancies, as pointed out by the verification team of the

Authority would require appropriate alteration/modifications in the exporter's questionnaire response. The relevant documents in this regard could not be furnished by the producer company till the conclusion of the verification. While some of these documents were submitted by the company post verification on 18th February, 2013, the other documents/record were received from the company in response to the comments on the verification report on 29.4.2013.

27. In their response to the verification report, vide their letter received by the Authority on 29.04.2013, the representatives of the applicants referred to a letter (dated 11.10.2011), addressed to the Authority whereby they claimed that upon a request from the officer in charge of the case at that time on behalf of the Authority, they had submitted the details of MET personally on 13.10.2011. Further, in their letter giving comments on the verification report received by the Authority on 29.04.2013, the representatives of the applicants also mentioned that upon their insistence to submit the formal MET questionnaire response, the officers categorically mentioned to them that as they have verified almost all the information required for MET, the company need not file the copy of the letter submitted earlier and further that the request for companies MET treatment is examined in the whole process of verification and the company need not bother in view of the fact that China as a country is being treated as Market Economy Country by India since last three years and also in the current proceedings concerning vitrified tiles. In this regard, the Authority denies the claims of the legal representatives of the applicants that during the process of verification they were assured of admission of their claim with regards to MET as the purpose of verification process is not to give any kind of assurance but to verify the information/data already filed with the Authority from the records of the applicants. The Authority further notes that the said letter which is claimed to be submitted to the then officer in charge on 13.10.2011, is neither available in the record of the Authority nor the representatives of the applicants have been able to produce any acknowledgement to that effect at the time of verification. The Authority also notes that the MET questionnaire, as sent to the applicant along with letter No. 15/20/2010-DGAD dated 20.04.2011, elicits comprehensive and positive affirmations along with the supporting evidence/documents on various parameters from the applicant company. The fact remains that in the instant case, the same has admittedly not been filed by the applicant company post initiation of the investigation and that is why the representatives of the company wanted to submit the formal MET questionnaire response during the course of verification.

28. The Authority noted that the claim for investments in plant & machinery and land & building does not tally with the submissions of the company, as per Balance Sheet as on 30th June, 2012. In this regard, the company was requested to furnish the detailed break-up of plant & machinery along with the asset schedule. The company admitted that the figures of gross investments, as per Balance Sheet do not include the value of land, as claimed in the questionnaire response. The Authority also enquired about the basis of valuation of land, the arrangement for land ownership/land usage etc. The company was requested to furnish supporting documents including the valuation report in respect of valuation of land. During the

3269 96/13-10

verification, while the company admitted that the value of land as stated in the exporter's questionnaire was based on a report by M/s Qingyuan Yunlong Property Development Company Ltd., no copies of the valuation report were furnished to the Authority for verification. With regard to the capital contribution by the owners, the company only furnished a CHA certificate of capital introduction by the owners along with the capital inspection report. However, no documents/advises of the bank regarding the sources of generation of funds, the date of transfer along with the credit of the amount in the book of accounts of the company as capital contribution were furnished for verification.

29. The Authority noted that the company M/s Foshan Qiangbiao Ceramic Co. Ltd Foshan, China, however, submitted the relevant data/information along with the modified appendices, after the verification visit but since this information was submitted post verification visit, the correctness of the information could not be checked and verified by the Authority.

30. On the basis of data submitted by the company, the Authority noted that during the period of investigation, the producer company reported a total sale of 706,194.36 sq meters of tiles of different sizes in the domestic market.

31. The Authority notes that the questionnaire response was filed by the applicants, namely, M/s Foshan Qiangbiao Ceramic Co. Ltd Foshan, China PR and M/s Sheenway Corporation Ltd., Hong Kong, (Exporter). During the investigation period, the subject goods exported to India were produced by M/s Foshan Qiangbiao Ceramic Co. Ltd., which have been exported by M/s Sheenway Corporation Ltd., Hong Kong to India. The Authority noted during the verification visit that while M/s Foshan Qiangbiao Ceramic Co. Ltd Foshan, China PR is producing the subject goods, the company does not have any license for export outside China PR. However, the company has substantial quantities of exports to third countries. The company has also exported small quantities of subject goods to India both in the POI as well as before the POI. The company was requested to clarify the mechanism for export of the goods outside China PR, particularly when the company has no export license in its own name. In response to the query, the company submitted a letter dated 29th January, 2013, and clarified as under:

"M/S Foshan Qiangbiao Ceramic Co. Limited, Foshan, China PR, (hereafter referred to as the "producer") does not have an export license of its own in China as the qualifying amount of equity share capital required to hold export license in China is RMB 10 million, where as the equity share capital of the producer is much lower than the qualifying amount. Therefore, to execute the export orders from China it needs an agent/trader holding export license who undertakes the documents handling and does the complete custom documentation and uses his export license in CHINA PR. Hence, to effect the exports from China PR, the producer is needed to appoint an agent with license to export from China and thus, it made an arrangement with M/S Foshan Hongligao Trade Co Limited, China PR who holds export license as

facilitation and handling agent for facilitating the exports to India made by Sheenway Corporation on behalf of M/S Foshan QiangBiao Ceramic Co Limited, Foshan, China PR. M/S Foshan Hongligao Trade Co Limited, China PR has been appointed to undertake the clearing and forwarding tasks for completing the exports to India.

M/S Sheenway Corporation Limited, Hong Kong which is in a different custom territory and also can not hold the export license in China PR. However, as the producer's prices are Ex-Factory, the entire handling, freight and port handling charges are to be borne by Exporter or the importer in India which are added up by M/S Sheenway Corporation Limited, Hong Kong and is considered in Export prices along with it's margin.

Needless to say that the handling charges paid by M/S Sheenway Corporation Ltd., Hong Kong are port handling charges whereas the handling charges paid to M/S Foshan Hongligao Trade Co Limited, China PR are for their customs document handling etc".

32. According to the Authority, in view of the submissions made by the company as above, M/s Foshan Hongligao Trade Co Ltd., being the holder of export license is the actual exporter in the present case whereas no exporter response has been filed by the said company. This is particularly so when there are export documents including the payment receipts from Sheenway Corporation, Hong Kong in the name of the said license holder. Therefore, the complete channel for export in the present case would be M/s Foshan Qiangbiao Ceramic Co. Ltd, Foshan, China PR (Producer) to M/s Foshan Hongligao Trade Co Ltd., China PR (exporter) to M/s Sheenway Corporation Ltd., Hong Kong (Trader/Exporter). Further, the Authority notes that at the time of filing the petition before the Authority for initiation of the New Shipper Review investigation, both the producer M/s Foshan Qiangbiao Ceramic Co. Ltd, Foshan, China PR and M/s Sheenway Corporation Ltd., Hong Kong (Trader/Exporter) knew that M/s Foshan Hongligao Trade Co Ltd is the holder of export license in China for the exports out of China PR made on behalf of M/s Foshan Qiangbiao Ceramic Co. Ltd Foshan and that the complete channel for export in the present case is M/s Foshan Qiangbiao Ceramic Co. Ltd Foshan, China PR (Producer) to M/s Foshan Hongligao Trade Co Ltd., China PR (exporter) to M/s Sheenway Corporation Ltd., Hong Kong (Trader/Exporter).

33. On the request of the Authority during the verification visit, the company submitted a copy of the export license issued in favour of M/s Foshan Hongligao Trade Co Ltd. The Authority pointed out during the verification that the VAT paid on inputs is recovered on export sales and the refunds are received by the exporter. Therefore, the Authority requested the company to furnish the details of actual refund received in respect of exports. In response thereto, it was clarified by the legal representatives of the company that in their submissions in the exporter questionnaire, the invoice value has been reflected net of VAT and, therefore, the entire amount of VAT paid on the inputs has been deducted from the export price. However, the

Authority notes that in the absence of the exporter questionnaire filed by M/s Foshan Hongligao Trade Co Ltd., neither the ownership of this exporting company nor the details of actual amount of VAT refund received and adjustable in respect of actual expenses incurred by the exporting company from the export price as also its relationship with the applicants M/s Foshan Qiangbiao Ceramic Co. Ltd Foshan, China PR and M/s Sheenway Corporation Ltd., Hong Kong, could be verified.

POST DISCLOSURE STATEMENT SUBMISSIONS

34. The following in brief are the post Disclosure Statement submissions made by the applicants:

- i. The market economy questionnaire, claimed to have been sent by the Authority was never attached/sent with the letter dated 20.4.2011, perhaps since the required information in the matter was already submitted to the Authority on 13th October 2011. The verification officers had assured at the time of verification that they have verified all the information required for market economy treatment and collected desired evidences and that in the present case China has been considered a Market Economy. The relevant documents were again submitted to the Authorities in the comments to verification report on April 26, 2013.
- ii. The observation that biscuit factory was established in 2007 and polishing in 2010 is also factually incorrect as the polishing factory was established in 2007 and biscuit factory in 2010.
- iii. The revised Annexures including the revised P & L Account and Balance Sheet and the Annexure V, VI, VII, & VIII for the IP period and all annexures I to IX were checked by the verification officers with evidences and left by them to the company for signatures and sending them through courier to the Authority. These papers were duly mailed within 2 days of the officers resuming the office after verification and the hand copy was received by the office on 7th February, 2013.
- iv. M/s Foshan Hongligao Trade Co. Ltd, China PR, is merely an agent of producer M/s Foshan Qiangbiao Ceramic Co. Ltd, Foshan, China PR and not an exporter as inferred erroneously contrary to facts by the Authority. M/S Foshan Hongligao Trade Co Ltd, China PR (HLG) was only facilitating the documentation handling and custom documentation for M/s Foshan Qiangbiao Ceramic Co. Ltd, Foshan, China PR. The Authority had verified the commission received by HLG from the books of M/s Foshan Qiangbiao Ceramic Co. Ltd, Foshan, China PR and the amount of VAT paid by the producer M/s Foshan Qiangbiao Ceramic Co. Ltd, Foshan, China PR. The export price to India is driven from the invoices raised by Sheenway and the adjustment for expenses and VAT refunded to the agent has already been made in the responses filed by M/s Foshan Qiangbiao Ceramic Co. Ltd, Foshan, China PR.
- v. It is customary for the authorities to request the delivery of all additional documents after authentication within reasonable time after the verification. At the request of the verification

officers, our clients had sent the documents mentioned in the disclosure document on February 6, 2013 and these were duly received by the authorities on February 7, 2013.

vi. The Authority has not adhered to the timelines of completion of the new shipper review as laid down under the WTO Anti Dumping Agreement.

Examination by the Authority

35. The Authority notes that most of the post Disclosure Statement submissions made by the applicants are repetitive in nature and have already been dealt with in the Disclosure Statement and are again addressed to in this Final Findings Notification to the extent found relevant to the investigation under the appropriate headings. The Authority has examined the submissions as under:

i. With regard to the claim that the questionnaire for claiming the market economy status (MET) was never sent to the legal representatives of the applicants is totally wrong as borne out of the letter No.15/20/2010-DGAD dated 20.04.2011 addressed to the company calling for various information, in the prescribed proforma, including the questionnaire for claiming the market economy treatment (MET). Further, the claim of the applicants that all requisite information pertaining to grant of the MET status were submitted to the Authority on 13.10.2011 is based on a copy of the acknowledgement receipt of the visit. This receipt only shows that they met the then concerned official. The applicants have not given any documentary evidence whatsoever that the MET Questionnaire was also submitted. The applicants have admitted that no MET Questionnaire was submitted in response to Authority's letter dated 20.04.2011.

ii. With regard to the claim that during the verification visit to Foshan, the verification officers categorically assured the company that they have verified all the information required for MET and collected desired evidence and China has been treated as a Market Economy Country in this investigation, the Authority reiterates that their claim with regards to MET are completely false and misleading as the purpose of verification process is not to give any kind of assurance but to verify the information/data already filed with the Authority from the records of the applicants. The factual position in this regard is reflected in the verification report issued by the Authority subsequent to the verification visit.

iii. The fact that the polishing unit was set up in 2007 and the biscuit making unit was set up in 2010 is taken note of and accepted.

iv. With regard to the claim of the company that during the verification visit, the Annexures pertaining to P & L Account and Balance Sheet and other Annexures in which significant discrepancies were pointed out by the verification team of the Authority, were revised and checked by the verification team is completely false. The company, during the verification, had not only admitted about the discrepancies but also the fact that the same would require

3269 96/13-11

appropriate alteration/modifications in the exporter's questionnaire response. The discrepancies noted during the verification visit were admitted to be significant. The relevant documents in this regard could not be furnished by the producer company till the conclusion of the verification. While some of these documents were submitted by the company post verification, other documents/records were received from the company in their response to the verification report on 29.4.2013. Further, with regard to the request of the applicant that the revised documents submitted after the verification visit be accepted by the Authority, the Authority notes that it cannot accept such documents since the correctness of the information/data could not be checked and verified by the Authority.

v. With regard to the claim of the company that M/s Foshan Hongligao Trade Co Ltd., China PR was only a facilitating the documentation handling and customs documentation for M/s Foshan Qiangbiao Ceramic Co. Ltd Foshan, China PR, and not the actual exporter from China PR as determined by the Authority, the Authority notes that this is an admitted fact that M/s Foshan Qiangbiao Ceramic Co. Ltd Foshan, China PR, the holder of export license in this review and the Authority reiterates that M/s Foshan Hongligao Trade Co Ltd., China PR, being the holder of export license, is the actual exporter in the present case and this is particularly so when there are export documents including the payment receipts from Sheenway Corporation, Hong Kong in the name of the said license holder. Thus, the complete channel for export in the present case is M/s Foshan Qiangbiao Ceramic Co. Ltd, Foshan, China PR (producer) to M/s Foshan Hongligao Trade Co Ltd., China PR (exporter) to M/s Sheenway Corporation Ltd., Hong Kong (trader/exporter).

vi. With regard to the claim of the company that the Authority has not adhered to the timeliness of completion of the New Shipper Review, the Authority notes that the subject investigation has been concluded by the Authority in terms of provisions of Anti Dumping Rules.

Conclusion and Recommendations

36. After examining the submissions made by the applicants and issues raised therein; and considering the facts available on record, the Authority recommends as under:

i. No individual dumping margin is recommended by the Authority in respect of exports of Vitrified / Porcelain tiles falling under Chapter 69 of the Customs Tariff Act, 1975 originated in or exported from China PR made to India by M/s Foshan Qiangbiao Ceramic Co. Ltd, Foshan, China PR (Producer) through M/s Sheenway Corporation Ltd., Hong Kong.

ii. The Authority had earlier recommended provisional assessment on all exports of the subject goods made by M/s Foshan Qiangbiao Co. Ltd, China PR (Producer) through M/s Sheenway Corporation Ltd., Hong Kong (Exporter) till this Review was completed, in

accordance with the Rule 22 of the AD Rules and having regard to Notifications No. 73/2003-Customs dated 01-05-2003 and No. 82/2008-Customs dated 27th June, 2008. The provisions of Rule 22 of the AD Rules, read as follows:

"If a product is subject to anti-dumping duties, the designated authority shall carry out a periodical review for the purpose of determining individual margins of dumping for any exporters or producers in the exporting country in question who have not exported the product to India during the period of investigation, provided that these exporters or producers show that they are not related to any of the exporters or producers in the exporting country who are subject to the anti dumping duties on the product.

(2) The Central Government shall not levy anti dumping duties under sub-section (1) of section 9A of the Act, on imports from such exporters or producers during the period of review as referred to in sub-rule (1) of this rule:

Provided that the Central Government may resort to provisional assessment and may ask a guarantee form the importer if the designated authority so recommends and if such a review results in a determination of dumping in respect of such products or exporters, it may levy duty in such cases retrospectively from the date of initiation of the review".

iii. The Ministry of Finance issued Notification No 35/2012–Customs (ADD) dated 10th July, 2012 implementing the recommendations of the Authority, which, *inter- alia*, provided that pending the outcome of the review by the Authority, all imports of vitrified porcelain tiles falling under Chapter 69 of the Customs Tariff Act by M/s Foshan Qiangbiao Co. Ltd, China PR (Producer) through M/s Sheenway Corporation Ltd., Hong Kong (Exporter) would be subjected to provisional assessment till the review was completed.

iv. In view of the conclusion by the Authority that no individual dumping margin is justified in respect of exports of Vitrified Tiles made to India by M/s Foshan Qiangbiao Ceramic Co. Ltd, Foshan, China PR (Producer) through M/s Sheenway Corporation Ltd., Hong Kong, the Authority further recommends that M/s Foshan Qiangbiao Co. Ltd, China PR (Producer) and M/s Sheenway Corporation Ltd., Hong Kong (Exporter) shall be liable for payment of the residual rate of duty in Indian rupees at the rate of Rs 155 per square meter as applicable vide

Notifications No 82/2008-Customs dated 27th June, 2008 in respect of exports of Vitrified / Porcelain tiles falling under Chapter 69 of the Customs Tariff Act, 1975 originated in or exported from China PR.

37. An appeal against the order of the Central Government shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act.

J. S. DEEPAK, Designated Authority